दैनिक
भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

2009 से स्थापित

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'रिश्तों की असली मजबूती शब्दों में नहीं, बल्कि समय, विश्वास और संवेदनाओं के निवेश में होती है। '

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-157 | झुंझुनू (राजस्थान) | शुक्रवार, 1 मई, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार

Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

'टूटते रिश्तों की चीखः जब परिवार की जड़ें ही होने लगीं कमजोर '

समाज की सबसे मजबूत इकाई परिवार होता है। यही वह आधार है, जिस पर सभ्यता, संस्कार और सामाजिक संतुलन टिका रहता है। लेकिन आज का समय एक चिंताजनक सच्चाई सामने ला रहा है–परिवार की जड़ों में दरारें पड़ रही हैं, और रिश्तों की पवित्रता धीरे-धीरे खत्म होती जा रही है। जो परिवार कभी प्रेम, विश्वास और त्याग का प्रतीक हुआ करता था, आज वही संदेह, स्वार्थ और हिंसा का केंद्र बनता दिखाई दे रहा है। मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

हाल के वर्षों में सामने आई घटनाएँ समाज को झकझोर देने वाली हैं। भाई द्वारा भाई की हत्या, पति-पत्नी के बीच क्रूर हिंसा, और पारिवारिक विवादों का खौफनाक रूप लेना–ये केवल अपराध नहीं हैं, बल्कि यह हमारे सामाजिक ढांचे के विघटन का संकेत हैं। सवाल यह है कि आखिर ऐसा क्या बदल गया है, जिसने रिश्तों को इतना कमजोर और खतरनाक बना दिया? एक बड़ा कारण है–आभासी दुनिया का बढ़ता प्रभाव। आज हम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सोशल मीडिया के युग में जी रहे हैं, जहाँ जानकारी की कोई कमी नहीं है, लेकिन संवेदनाओं का अकाल पड़ता जा रहा है। विडंबना यह है कि एक ही घर में रहने वाले लोग एक-दूसरे से दूर होते जा रहे हैं। एक ही कमरे में बैठे लोग अपने-अपने मोबाइल में खोए रहते हैं, लेकिन एक-दूसरे से संवाद नहीं करते। रिश्तों की गर्माहट अब स्क्रीन की ठंडी रोशनी में खोती जा रही है।

पहले रिश्तों में 'नजरों की शर्म' होती थी–एक मर्यादा, एक संकोच, एक सम्मान। लेकिन आज वह भावना लगभग लुप्त हो चुकी है। अब रिश्ते केवल औपचारिकता बनकर रह गए हैं, जिनमें आत्मीयता और अपनापन कम होता जा रहा है। जब संवाद खत्म होता है, तो गलतफहमियाँ जन्म लेती हैं, और यही गलतफहमियाँ कभी-कभी हिंसा का रूप ले लेती हैं। आर्थिक बदलाव और बढ़ता पूंजीवाद भी इस स्थिति के लिए जिम्मेदार हैं। आज का समाज प्रतिस्पर्धा और भौतिक सफलता की दौड़ में इतना उलझ गया है कि रिश्तों की अहमियत पीछे छूटती जा रही है। पैसा और प्रतिष्ठा रिश्तों से ऊपर हो गए हैं। जब स्वार्थ हावी होता है, तो संबंध केवल उपयोग का साधन बन जाते हैं, और जब उपयोग खत्म होता है, तो संबंध भी टूट जाते हैं।

विवाह, जो कभी सात जन्मों का बंधन माना जाता था, आज एक अस्थायी समझौते में बदलता जा रहा है। तलाक के मामलों में वृद्धि और 'लिव-इन रिलेशनशिप' जैसी व्यवस्थाओं का बढ़ना इस बात का संकेत है कि लोग स्थायी रिश्तों से बचने लगे हैं। यह बदलाव पूरी तरह गलत नहीं है, लेकिन जब यह जिम्मेदारी से बचने का माध्यम बन जाए, तो यह समाज के लिए खतरे की घंटी बन जाता है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि परिवार के भीतर ही विश्वास की कमी हो रही है। जब एक भाई दूसरे भाई पर शक करता है, जब पति-पत्नी एक-दूसरे को प्रतिद्वंदी समझने लगते हैं, तो यह केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं रहती, बल्कि सामाजिक संकट बन जाती है। बचपन में जो भाई एक ही थाली में खाते थे, आज वही एक-दूसरे के खून के प्यासे हो जाते हैं–यह केवल अपराध नहीं, बल्कि रिश्तों की मौत है।

इस स्थिति का समाधान केवल कानून या सख्त नियमों से नहीं हो सकता। इसके लिए सामाजिक और मानसिक स्तर पर बदलाव जरूरी है। सबसे पहले हमें संवाद को पुनर्जीवित करना होगा। परिवार में समय देना, एक-दूसरे की बात सुनना और समझना–ये छोटे-छोटे प्रयास रिश्तों को मजबूत बना सकते हैं। दूसरा, हमें अपनी प्राथमिकताओं को पुनः निर्धारित करना होगा। भौतिक सुख-सुविधाएँ जरूरी हैं, लेकिन वे रिश्तों की कीमत पर नहीं होनी चाहिए। बच्चों को भी यह सिखाना होगा कि रिश्तों का मूल्य क्या होता है, और उन्हें कैसे निभाया जाता है। तीसरा, डिजिटल दुनिया के उपयोग में संतुलन लाना होगा। तकनीक का उपयोग करें, लेकिन उसे अपने जीवन और रिश्तों पर हावी न होने दें। वास्तविक दुनिया के रिश्ते ही जीवन को अर्थ देते हैं, आभासी दुनिया केवल भ्रम पैदा करती है।

अंततः, यह समझना होगा कि परिवार केवल खून का रिश्ता नहीं, बल्कि भावनाओं का बंधन है। यदि इस बंधन को हम कमजोर होने देंगे, तो समाज का पूरा ढांचा हिल जाएगा। आज जरूरत है आत्ममंथन की–क्या हम रिश्तों को निभा रहे हैं, या केवल उन्हें ढो रहे हैं?

यदि समय रहते नहीं संभले, तो वह दिन दूर नहीं जब परिवार केवल एक शब्द बनकर रह जाएगा, और इंसान अपने ही बनाए अकेलेपन में कैद हो जाएगा।

गर्मी के चलते स्कूलों में आउटडोर एक्टिविटी पर रोक

वैन में जरूरत से ज्यादा बच्चे नहीं बैठा सकेंगे, शिक्षा विभाग ने जारी किया आदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज.बीकानेर।

राजस्थान में लगातार बढ़ती गर्मी और लू के खतरे को देखते हुए शिक्षा विभाग ने सरकारी व प्राइवेट स्कूलों में किसी भी तरह की आउटडोर गतिविधियां नहीं करने के आदेश दिए हैं। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने राज्य के सभी सरकारी और निजी स्कूलों के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। निदेशक माध्यमिक शिक्षा ने आदेश जारी कर स्कूल प्रशासन को विद्यार्थियों की सुरक्षा, स्वास्थ्य और सुविधा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।गाइडलाइन के अनुसार भीषण गर्मी के दौरान किसी भी प्रकार की आउटडोर खेल गतिविधि, ड्रिल या कैंप आयोजित नहीं किए जाएंगे। प्रार्थना सभा भी खुले मैदान के बजाय छायादार स्थान या कक्षाओं में कम समय के लिए आयोजित करनी होगी। विद्यार्थियों को भारी स्कूल बैग से राहत देने के लिए केवल आवश्यक पाठ्यपुस्तकें ही लाने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं।

स्कूलों में पेयजल और प्राथमिक उपचार की विशेष व्यवस्था

शिक्षा विभाग ने सभी स्कूलों में शुद्ध और ठंडे पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा है। इसके लिए वाटर कूलर, मटके या अन्य उपयुक्त साधनों का उपयोग किया जाएगा। विद्यार्थियों को नियमित अंतराल पर पानी पीने के लिए प्रेरित किया जाएगा। साथ ही, प्रत्येक स्कूल में फर्स्ट एड किट, ओआरएस और आवश्यक दवाइयां उपलब्ध रखना अनिवार्य किया गया है।

कक्षाओं और छात्रावासों में विशेष इंतजाम

स्कूलों को सभी कक्षाओं में पंखों की कार्यशीलता सुनिश्चित करने, पर्याप्त वेंटिलेशन बनाए रखने और आवश्यकतानुसार वैकल्पिक बिजली व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं। छात्रावासों में भी पानी, बिजली, नींबू पानी, छाछ और मौसमी फलों की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया है। खेलकूद गतिविधियां केवल शाम के समय आयोजित की जाएंगी।

अभिभावकों और विद्यार्थियों को भी किया जाएगा जागरूक

शिक्षा विभाग ने स्कूल प्रबंधन समितियों, एसएमसी, एसडीएमसी और पीटीएम के माध्यम से अभिभावकों और विद्यार्थियों को लू से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए हैं। विभाग ने इन निर्देशों की अक्षरशः पालना सुनिश्चित करने को सर्वोच्च प्राथमिकता देने को कहा है।

परिवहन और यूनिफॉर्म में भी राहत

निर्देशों के तहत स्कूल बसों और वैन में क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाने पर रोक लगाई गई है। वाहनों में पीने के पानी और फर्स्ट एड किट की उपलब्धता भी अनिवार्य होगी। विद्यार्थियों को टोपी, गमछा और पानी की बोतल साथ रखने की सलाह दी गई है। गर्मी को देखते हुए स्कूल यूनिफॉर्म में भी ढील दी गई है। छात्र-छात्राएं सूती, हल्के और आरामदायक कपड़े पहन सकेंगे। चमड़े के जूतों के स्थान पर कैनवास या कपड़े के जूते पहनने की अनुमति दी गई है।

चिड़ावा कॉलेज में फेयरवेल पार्टी की धूमः मयंक मिस्टर और हिना बनीं मिस फेयरवेल

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

स्थानीय चिड़ावा कॉलेज में गुरुवार, 30 अप्रैल को विदाई समारोह (फेयरवेल पार्टी) का हर्षोल्लास के साथ आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्या डॉ. ऋचा कुलश्रेष्ठ ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान जूनियर विद्यार्थियों ने अपने सीनियर्स को भावपूर्ण विदाई दी। रंगारंग कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित सभी लोगों का मन मोह लिया। विभिन्न रोचक प्रतियोगिताओं और बौद्धिक चरणों के आधार पर विजेताओं का चयन किया गया। गर्ल्स वर्गः बी.एस.सी. तृतीय वर्ष की छात्रा हिना को 'मिस फेयरवेल' चुना गया, जबकि एम.कॉम. फाइनल की मनीषा रनर-अप रहीं। बॉयज वर्गः बी.एस.सी. तृतीय वर्ष के छात्र मयंक मटोलिया को 'मिस्टर फेयरवेल' और हिमांशु को रनर-अप घोषित किया गया। समारोह के दौरान चिड़ावा पुलिस की कालिका पेट्रोलियम टीम ने विशेष रूप से शिरकत की। टीम के सदस्यों ने विद्यार्थियों को महिला सुरक्षा, साइबर फ्रॉड से बचाव, ट्रैफिक नियमों के पालन और 'राजकोप ऐप' की उपयोगिता के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

प्राचार्या डॉ. ऋचा कुलश्रेष्ठ ने अपने विदाई संबोधन में विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि जीवन में मेहनत और लगन के बल पर किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है, इसलिए युवाओं को परिश्रम से कभी नहीं कतराना चाहिए। कार्यक्रम में मंच संचालन अमीषा और रिया ने किया। इस अवसर पर निर्णायक मंडल में व्याख्याता राजलक्ष्मी शर्मा, निधि शर्मा और नवनीत शर्मा रही। कार्यक्रम के अंत में सभी वरिष्ठ विद्यार्थियों को स्मृति चिह्न भेंट कर विदा किया गया।

मेधावी विद्यार्थियों का सम्मानः आदर्श विद्या मंदिर मण्डावा में प्रतिभाओं को मिला मंच

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । आदर्श विद्या मंदिर मण्डावा के प्रांगण में श्री गांधी जनकल्याण समिति के तत्वावधान में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता एवं राजस्थान नगरीय आधारभूत विकास परियोजना के अंतर्गत विद्यार्थी जागरूकता कार्यक्रम के तहत आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जननेता प्यारेलाल ढुकिया ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में मण्डावा तहसीलदार डॉ. सुरेन्द्र भास्कर उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में संदीप शर्मा, कैलाश पीपलवा, बाबूलाल सैनी, वरिष्ठ पत्रकार सूर्यप्रकाश लाहोरा (प्रायोजक), सामुदायिक विकास अधिकारी अनिल रुहेला एवं रूडिप टीम के सदस्य संदीप स्वामी शामिल रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर संस्था निदेशक अभिषेक तेतरवाल, प्रधानाचार्य मुकेश कुमार स्वामी एवं श्रवण कुमार ने अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन गोविन्द सोनी ने किया। मुख्य अतिथि डॉ. सुरेन्द्र भास्कर ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और उन्हें निरंतर अध्ययन के साथ जागरूक नागरिक बनने के लिए प्रेरित करती हैं। अध्यक्ष प्यारेलाल ढुकिया ने शिक्षा को समाज और राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की नींव बताते हुए विद्यार्थियों को प्रतियोगिताओं में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया।

प्रधानाचार्य मुकेश कुमार स्वामी ने विद्यालय की ओर से विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयासों की बात कही, वहीं संस्था निदेशक अभिषेक तेतरवाल ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए प्रतिभागी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं।

ये रहा प्रतियोगिता परिणामः

चित्रकला प्रतियोगिता में वंशिका ने प्रथम, हर्षिता नरुका ने द्वितीय तथा परिधि शेखावत एवं अंजलि कंवर ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में शीर्ष दस विद्यार्थियों–जतिन जांगिड़, गणिष्क जांगिड़, कार्तिक गहलोत, हर्ष कुमावत, नसरीन खान, अंश सहारण, हंसिका स्वामी, पीयूष, हर्षित सिंह एवं चेतन कुमावत–को नगद पुरस्कार, पाठ्य सामग्री एवं माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों में जागरूकता, प्रतिस्पर्धा एवं प्रतिभा निखारने का संदेश दिया गया।

ट्रैक्टर चढ़ाकर छोटे भाई ने बड़े भाई की हत्या, पारिवारिक विवाद ने लिया खौफनाक रूप

भीम प्रज्ञा न्यूज.पचेरी।

पचेरी कलां थाना क्षेत्र के रसूलपुर गांव में पारिवारिक विवाद ने शुक्रवार को खौफनाक रूप ले लिया, जहां एक सगे भाई ने ही अपने बड़े भाई को ट्रैक्टर से कुचलकर मौत के घाट उतार दिया। घटना से पूरे गांव में सनसनी फैल गई और परिवार में कोहराम मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार रसूलपुर निवासी अनुप (35) पुत्र कंवर सिंह दोपहर करीब 1 बजे बाहर से अपने घर लौटा था। इसी दौरान उसके छोटे भाई अजीत के साथ दोस्तों के साथ घूमने-फिरने को लेकर विवाद हो गया। देखते ही देखते कहासुनी ने उग्र रूप ले लिया और दोनों भाइयों के बीच मारपीट शुरू हो गई। घटना के दौरान अनुप ने अपने चाचा के बेटे कृष्ण यादव को फोन कर बताया कि उसके साथ मारपीट की जा रही है। सूचना मिलने पर कृष्ण यादव मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक विवाद और अधिक बढ़ चुका था। आरोप है कि इसी दौरान अजीत ने गुस्से में आकर ट्रैक्टर चढ़ाकर अनुप को कुचल दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। बीच-बचाव करने पहुंचे कृष्ण यादव के साथ भी मारपीट की गई, जिससे उसके सिर में चोट आई और वह भी घायल हो गया। परिजन गंभीर रूप से घायल अनुप को तुरंत पचेरी के एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां से उसे बुहाना रेफर कर दिया गया। बाद में बुहाना के राजकीय अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

मृतक अनुप यादव

बताया जा रहा है कि मृतक अनुप शादीशुदा था, लेकिन उसकी कोई संतान नहीं थी। उसके पिता की पहले ही हार्ट अटैक से मृत्यु हो चुकी है। अनुप दिल्ली में एक निजी कंपनी में कार्यरत था और बुधवार को ही अपने गांव आया था। घटना की सूचना मिलते ही पचेरी कलां पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना कर साक्ष्य जुटाए। थानाधिकारी बनवारीलाल यादव ने बताया कि आरोपी द्वारा ट्रैक्टर से कुचलकर हत्या करने की सूचना मिली है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी है और पोस्टमार्टम कर शव को परिजनों को सौंप दिया।फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहन जांच में जुटी हुई है और आरोपी की भूमिका सहित सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

गांव में दहशत, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल

घटना के बाद गांव में भय और तनाव का माहौल है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं ग्रामीणों में भी इस निर्मम घटना को लेकर भारी आक्रोश और दुख देखने को मिल रहा है।

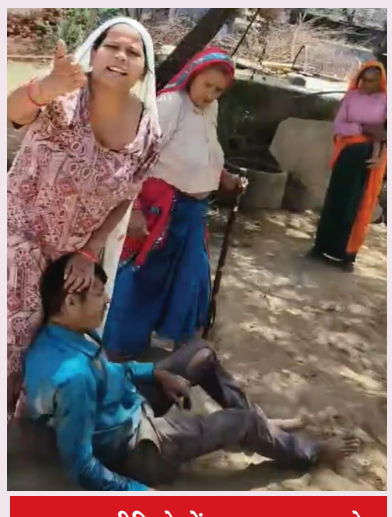

वायरल वीडियो में मृतक अनुप को बैठाया हुआ और पास में डंडा लिए मृतक की मां पास में खड़ी हुई है

IPL मैच को लेकर जयपुर की ट्रैफिक व्यवस्था में बदलाव

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । सवाई मानसिंह स्टेडियम में पहले मैच की धमाकेदार शुरूआत के बाद अब शुक्रवार को होने वाले आईपीएल टी-20 मुकाबले के दौरान शहर की ट्रैफिक व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया गया है। राजस्थान रॉयल्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच होने वाला यह मैच शाम 7:30 बजे से खेला जाएगा। मैच के दौरान बड़ी संख्या में वीआईपी, अधिकारी और दर्शकों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए यातायात पुलिस ने विशेष रूट डायवर्जन और पार्किंग व्यवस्था तय की है। मैच के दौरान शहर के कई प्रमुख मार्गों पर यातायात डायवर्ट किया जाएगा। यूनिवर्सिटी गेट से यूनिवर्सिटी मोड़ टोंक रोड की ओर आने वाले सामान्य यातायात को जनता स्टोर से वैकल्पिक मार्गों पर भेजा जाएगा। टोंक रोड पर वाहनों का दबाव बढ़ने पर गांधी नगर मोड़ से गांधी सर्किल और आरबीआई कट से गणेश मंदिर की ओर यातायात डायवर्ट किया जाएगा। इसी तरह जेडीए चौराहे से रामबाग चौराहे की ओर आने वाले सामान्य वाहनों को गांधी सर्किल और त्रिमूर्ति सर्किल की ओर मोड़ा जाएगा। स्टैच्यू सर्किल से पोलो सर्किल की ओर जाने वाले यातायात को भी आवश्यकता अनुसार वैकल्पिक मार्गों से निकाला जाएगा। पंकज सिंहवी मार्ग से विधानसभा तिराहे के बीच भी ट्रैफिक डायवर्जन लागू रहेगा।

गर्मी में ऐसे कई सीजनल फल आते हैं जो पोषक तत्वों का भंडार होते हैं। ऐसा ही छोटा सा फल है फालसा, जो दिखने में जितना छोटा है फायदे उतने ही बड़े हैं। जानिए फालसे खाने के फायदे क्या हैं?

गर्मी में चंद दिन मिलता है ये फल, दिखने छोटा और लाल रंग का होता है, जानिए फालसे खाने के फायदे

आयुर्वेद कहता है कि सीजन के हिसाब से हमें फल सब्जियां अपनी डाइट में शामिल करने चाहिए। खासतौर से ऐसे फल सब्जी जो आपके आसपास पैदा होते हों। ये फल सब्जियां ऋतु के अनुसार शरीर को मजबूत और स्वस्थ बनाने में मदद करते हैं। गर्मी में पानी से भरपूर फल सब्जियां आने लगते हैं। ऐसा ही एक फल है फालसा, जो सेहत के लिए वरदान से कम नहीं है। फालसा दिखने में मोती जितना होता है और इसका रंग लाल होता है। फालसे खाने से शरीर की कमजोरी दूर होती है। लू लगने और गर्मी के कारण बुखार आने पर फालसा खाने फायदे मिलते हैं। आइये जानते हैं फालसे खाने से क्या फायदे मिलते हैं?

फालसा क्या होता है?

फालसा एक फल होता है जो गर्मी के सीजन में मिलता है। फालसा काफी छोटा, गोल, मुलायम और लाल रंग का होता है। फालसा पीले रंग का झाड़ी पर आता है। बड़े मटर या जंगली झरबेरी जैसे धूसर रंग के होते हैं। जब फल कच्चा होता है तो ये हरे रंग का होता है लेकिन पकने पर लाल और बैंगनी रंग का हो जाता है। इसका स्वाद खट्टा मीठा होता है।

फालसा में विटामिन

फालसा में पोटाशियम, विटामिन ए, कैल्शियम, प्रोटीन, फॉस्फोरस और एंटीऑक्सिडेंट जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। ये शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। गर्मी में फालसे का शरबत बनाकर पीते हैं। आचार्य बाल कृष्ण ने फायसे खाने के अनगिनत फायदे बताए हैं।

फालसा खाने के फायदे

पेट दर्द में राहत– खाने में लापरवाही होने पर या कुछ असंतुलित खाने पर पेट दर्द की परेशानी शुरू हो जाती है। ऐसे में फालसे का रस काफी फायदेमंद साबित होता है। पेट दर्द होने पर 5–10 मिली फालसे के रस पीने से आराम मिल जाएगा।

पेशाब के रोगों में फायदेमंद– फालसा खाने से मूत्र संबंधी रोगों में काफी राहत मिलती है। पेशाब करते वक्त जलन होना या पेशाब के वक्त दर्द होने की समस्या में लाभ मिलता है। अगर यूटीआई है तो फालसे की जड़ का उपाय कर सकते हैं। इसके लिए 5 ग्राम फालसा के जड़ को रात भर 50 मिली पानी में भिगोकर रखें। इसे छानकर सुबह शाम पी लें।

डायबिटीज में फायदेमंद– फालसा डायबिटीज के मरीज के लिए फायदेमंद फल हो सकता है। कई रिसर्च में पाया गया है कि फालसा के उपयोग करने से शुगर की मात्रा को खून में सामान्य रखने में मदद मिलती है।

हड्डियों को मजबूत बनाए– फालसा में कैल्शियम की मात्रा काफी ज्यादा होती है। इसलिए फालसे का सेवन हड्डियों के लिए अच्छा माना जाता है। इसे खाने से हड्डियां मजबूत बनती है।

दस्त में असरदार– अगर गर्मी या किसी दूसरे कारण से दस्त की समस्या हो रही है तो फालसा के फल का सेवन करना फायदेमंद होता है। फालसा कषाय रस प्रधान होता है जो दस्त को नियंत्रित करने में मदद करता है।

इन चीजों को डाइट में करें शामिल, बिना नॉनवेज के पूरी होगी प्रोटीन की जरूरत

अगर आप प्रोटीन की कमी के लिए नॉनवेज पर निर्भर हैं, तो अब ऐसा करने की जरूरत नहीं है। अपनी डाइट में कुछ खास शाकाहारी चीजें शामिल करके भी शरीर को भरपूर प्रोटीन मिल सकता है।

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में स्वस्थ रहना सबसे बड़ी चुनौती बन गई है। स्वस्थ रहने के लिए संतुलित आहार लेना बेहद जरूरी है, लेकिन अक्सर लोग बिजी शेड्यूल के कारण इसे नजरअंदाज कर देते हैं, जिससे शरीर को जरूरी पोषक तत्व यानी प्रोटीन नहीं मिल पाते।

नॉन–वेज खाने वालों को प्रोटीन आसानी से मिल जाता है, लेकिन शाकाहारी लोगों के लिए सही विकल्प चुनना जरूरी होता है। अच्छी बात यह है कि कई बेहतरीन वेज फूड्स मौजूद हैं, जिनकी मदद से शरीर को पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन मिल सकता है और सेहत को बेहतर बनाया जा सकता है।

दूध और डेयरी प्रोडक्ट्स करें सेवन

प्रोटीन के लिए दूध और डेयरी प्रोडक्ट्स में जैसे दही, पनीर और चीज प्रोटीन के अच्छे स्रोत होते हैं। एक गिलास दूध में करीब 5–8 ग्राम प्रोटीन पाया जाता है, जबकि पनीर और दही में यह मात्रा और अधिक होती है।

साथ ही, ये कैल्शियम से भरपूर होते हैं, जो हड्डियों को मजबूत बनाते हैं। रोजाना डाइट में डेयरी प्रोडक्ट्स शामिल करने से शरीर की प्रोटीन जरूरत आसानी से पूरी की जा सकती है।

नट्स और सीड्स का करें सेवन

नट्स और सीड्स जैसे बादाम, काजू, अखरोट, सूरजमुखी और कद्दू के बीज प्रोटीन और हेल्दी फैट्स के अच्छे स्रोत होते हैं। ये आसानी से खाए जा सकते हैं और शरीर को लंबे समय तक ऊर्जा देते हैं। रोजाना एक मुट्ठी नट्स और सीड्स खाने से प्रोटीन की जरूरत पूरी होती है और दिल की सेहत भी बेहतर रहती है। इन्हें डाइट में शामिल करके बिना नॉन–वेज के भी शरीर को पर्याप्त प्रोटीन, ताकत और पोषण मिल सकता है।

सोयाबीन का करें सेवन

प्रोटीन के लिए (दूध और डेयरी प्रोडक्ट्स के अलावा, सोयाबीन का भी सेवन कर सकते है। सोयाबीन एक हाई प्रोटीन वाला खाना है, शाकाहारी लोगों के लिए यह प्रोटीन का एक बेहतरीन सोर्स है।

इसमें आवश्यक अमीनो एसिड, फाइबर और हेल्दी फैट्स भरपूर मात्रा में पाए जाते है। सोयाबीन से सोया दूध, टोफू, सोया चंक्स और सोया ऑयल जैसे उत्पाद बनाए जाते हैं, जो रोजाना की डाइट में आसानी से शामिल किए जा सकते है।

लगातार सोयाबीन खाने से नॉन–वेज खाने की जरूरत काफी हद तक कम हो जाती है, यह आपकी मांसपेशियों और हड्डियों को मजबूत बनाता है।

रोटी पचने के लिए क्या है जरूरी? रोटी पचने में कितना समय लगता है?

रोटी पचने में आमतौर पर 2 से 4 घंटे का समय लग सकता है, जो आटे की गुणवत्ता और खाने के तरीके पर निर्भर करता है। चोकर वाले आटे की रोटी धीरे पचती है लेकिन पाचन के लिए अच्छी होती है। रोटी भारतीय थाली का अभिन्न हिस्सा है। इसके बिना थाली अधूरी है। लंच से लेकर डिनर तक में लोग रोटी खाना पसंद करते है । लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि जब आप एक निवाला खाते हैं, तो पेट के अंदर असल में क्या होता है? और आपकी इस रोटी को पचने में कितना समय लगता है? यह सवाल जितना सीधा है, जवाब उतना ही दिलचस्प है। ऐसे में आज आइए जानते है रोटी से जुड़ी दिलचस्प बातें

रोटी पचने में कितना समय लगता है?

जानकारों के अनुसार, रोटी को पूरी तरह से पचने में लगने वाला समय हर इंसान के लिए थोड़ा अलग हो सकता है।

लगभग 2 से 4 घंटे

एक्सपर्ट्स के अनुसार, जैसे ही आप रोटी खाते हैं, आपके पेट का काम शुरू हो जाता है। बता दें, पेट एक हाई–स्पीड मिक्सर की तरह काम करता है, जो रोटी और बाकी खाने को मथकर एक गाढ़ी चटनी जैसा बना देता है।

जैसा कि, आप सभी जानते है कि रोटी मुख्य रूप से कार्बोहाइड्रेट का बढ़िया स्रोत है, पेट में जल्दी टूटनी शुरू हो जाती है। एक सामान्य, संतुलित भोजन (जिसमें दाल, सब्जी और रोटी हो) को पेट से निकलकर छोटी आंत तक जाने में करीब 2 से 4 घंटे लगते है।

छोटी आंत का 'जादू'

पेट का काम खत्म होते ही, यह सारा खाना 20 फीट लंबी छोटी आंत में चली जाती है। असली और सबसे महत्वपूर्ण काम यहीं होता है। यहां एंजाइम्स रोटी के कार्बोहाइड्रेट को पूरी तरह से तोड़कर पोषक तत्वों में बदल देते हैं, जिन्हें हमारा शरीर एनर्जी के लिए इस्तेमाल करता है। छोटी आंत में यह पचने की प्रोसेस धीरे–धीरे होती है, जिसमें 6 से 8 घंटे तक लग सकते है।

रोटी पचने के लिए क्या जरुरी है?

आमतौर पर रोटी पचने के लिए फाइबर का होना बेहद जरुरी है। इसके लिए चोकर वाले मोटे आटे की जरुरत होती है। अगर आप चोकर वाले मोटे आटे का सेवन करते है तो आपके सेहत के लिए अच्छा है।

अगर आपने रोटी पर ढेर सारा घी लगाया है या रोटी के साथ खूब सारा तला–भुना (फैट वाली चीजें) खाया है, तो पाचन की स्पीड धीमी हो जाएगी, क्योंकि फैट को पचने में सबसे ज्यादा समय लगता है।

मेटाबॉलिज्म पर होती है निर्भर

कुछ लोगों का मेटाबॉलिज्म तेज होता है, तो कुछ का धीमा। अगली बार जब आप रोटी खाएं, तो बस इस बात का ध्यान रखें कि खाने को अच्छी तरह से चबाएं और अपनी डाइट में फाइबर और पानी की मात्रा सही रखें, ताकि आपके पेट को ज्यादा मेहनत न करनी पड़े और आपका स्वास्थ्य बना रहे।

क्या आप भी फॉयल या अखबार में लपेटते हैं खाना? यह आदत बन सकती है सेहत के लिए जानलेवा

अखबार या एल्युमिनियम फॉयल में खाना लपेटकर रखना आम आदत है, लेकिन यह सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकती है। जानिए अखबार में खाना रखना क्यों हानिकारक?

मौजूदा समय में अधिकतर लोग अपना खाना पैक करने के लिए अखबार या एल्युमिनियम फॉयल का इस्तेमाल खूब करते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि, इसमें खाना गर्म रहने के साथ ही फ्रेश भी बना रहता हैं।

ज्यादातर लोग ये नहीं जानते कि अखबार या एल्युमिनियम फॉयल में रखी चीजें खाने से कई बीमारियां हो सकती हैं। इस लेख में हम अखबार या एल्युमिनियम फॉयल में रखी चीजें खाने के नुकसान और इससे बचने के उपाय बता रहे हैं।

अखबार में खाना रखना क्यों हानिकारक?

हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, अखबार की स्याही में मौजूद केमिकल शरीर के लिए नुकसानदायक होते हैं। खाने की गर्म चीजें रखने से अखबार की स्याही में मौजूद हानिकारक केमिकल और रंग खाने में मिलकर पेट तक पहुंच जाते हैं। इससे

पेट में विषाक्त तत्व बढ़ सकते हैं।

बाजार में अखबार में लपेटकर बेचे जाने वाले समोसे, पकौड़े वगैरह बार–बार खाने से लंबे समय में बीमारी का खतरा बढ़ सकता है, क्योंकि गर्मी और तेल स्याही को भोजन में फैलाने में मदद करते हैं। खाने की चीजें रखने के लिए हमेशा अखबार का इस्तेमाल करने से शरीर में विषाक्त तत्वों और कैंसर की संभावना का रिस्क बढ़ सकता है।

अब बात करें एल्युमिनियम फॉयल की तो इसे आमतौर पर अखबार से बेहतर माना जाता है, लेकिन यह भी पूरी तरह सुरक्षित नहीं है। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि जब गरम, खट्टा या ज्यादा मसालेदार खाना फॉयल में रखा जाता है तो उसमें मौजूद एल्युमिनियम की थोड़ी मात्रा खाने में मिल जाती है। हालांकि यह मात्रा बहुत कम होती है, लेकिन अगर रोजाना ऐसा किया जाए तो इसका असर धीरे–धीरे शरीर पर पड़ सकता है।

गर्मी के कारण फॉयल में मौजूद कण खाने में ज्यादा आसानी से घुल जाते हैं, इसलिए फॉयल का इस्तेमाल कभी–कभार करना ठीक है, लेकिन इसे रोजाना की आदत बनाना सही नहीं है।

इन बातों का रखे ध्यान

इन जोखिमों से बचने के लिए अन्य सही तरीकों को अपनाना जरूरी है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि खाने को सुरक्षित रखने के लिए स्टील या कांच के बर्तनों का इस्तेमाल करना बेहतर होता है। इसके अलावा साफ सूती कपड़ा या फूड–ग्रेड पेपर भी अच्छे विकल्प माने जाते हैं।

शादी से पहले चेहरे पर आएगा नेचुरल ग्लो! इस खास तरीके से घर पर बनाएं उबटन

शादी से पहले हर कोई चाहता है कि उसकी त्वचा प्राकृतिक रूप से दमकती नजर आए। ऐसे में केमिकल प्रोडक्ट्स की जगह घर पर बना उबटन एक सुरक्षित और असरदार विकल्प हो सकता है।

आज के दौर में बेदाग और चमकती त्वचा पाना हर किसी की चाहत होती है। इसके लिए लोग पार्लर में हजारों रुपये खर्च करते हैं और महंगे केमिकल युक्त ब्यूटी प्रोडक्ट्स का सहारा लेते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि असली निखार बाजार के डिब्बों में नहीं बल्कि आपकी रसोई में छिपे देसी उबटन में है। सदियों से भारतीय संस्कृति में शादी–विवाह और खास मौकों पर उबटन का इस्तेमाल किया जाता रहा है जो त्वचा को बिना किसी साइड इफेक्ट के नेचुरल ग्लो देता है।

क्यों खास है देसी उबटन

बाजार में मिलने वाले फेस पैक और फेशियल किट में अक्सर प्रिजर्वेटिव्स और आर्टिफिशियल खुशबू होती है जो संवेदनशील त्वचा को नुकसान पहुंचा सकती है। इसके विपरीत घर पर तैयार किया गया उबटन पूरी तरह प्राकृतिक होता है। यह न केवल चेहरे की गंदगी साफ करता है बल्कि डेड स्किन सेल्स को हटाकर त्वचा को अंदर से हाइड्रेट और चमकदार बनाता है।

उबटन बनाने के लिए सामग्री

एक असरदार उबटन तैयार करने के लिए आपको इन बुनियादी चीजों की जरूरत होगी।

बनाने और लगाने का तरीका

एक कटोरी में दो चम्मच बेसन लें। इसमें आधा चम्मच हल्दी, एक चम्मच चंदन पाउडर और एक चम्मच शहद मिलाएं।

अब इसमें जरूरत के अनुसार कच्चा दूध या गुलाब जल डालकर एक गाढ़ा पेस्ट तैयार कर लें। ध्यान रहे कि पेस्ट बहुत ज्यादा पतला न हो।

चेहरे को साफ पानी से धोकर सुखा लें। अब इस उबटन को गर्दन और चेहरे पर समान रूप से लगाएं।

इसे 15–20 मिनट तक सूखने दें। जब यह हल्का गीला रहे तो हाथों को थोड़ा गीला करके सर्कुलर मोशन में रगड़ते हुए इसे उतारें। अंत में ठंडे पानी से चेहरा धो लें।

नियमित इस्तेमाल के फायदे

हफ्ते में कम से कम दो बार इस उबटन का इस्तेमाल करने से चेहरे की टैनिंग खत्म होती है और ब्लैकहेड्स की समस्या से राहत मिलती है। यह अनचाहे बालों के विकास को कम करने में भी सहायक माना जाता है। सबसे बड़ी बात यह है कि यह उपाय पूरी तरह सस्ता और सुरक्षित है।

अगर आपकी स्किन बहुत ज्यादा सेंसिटिव है तो चेहरे पर लगाने से पहले हाथ पर पैच टेस्ट जरूर करें। प्राकृतिक निखार के लिए धैर्य रखें क्योंकि देसी नुस्खे धीरे–धीरे लेकिन स्थाई परिणाम देते हैं।

मंडावा में बस डिपो की मांग को लेकर राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्रा को सौंपा ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा

नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्रा के मंडावा दौरे के दौरान समाजसेवी अमित मीणा और युवा नेता राहुल मिश्रा के नेतृत्व में स्थानीय युवाओं ने मंडावा में बस डिपो स्थापित करने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। इस दौरान अंकित कुमार, प्रवण पूनिया, संजय शर्मा, सुमित कुमार, रोहित कुमार, विकास कुमार और शक्ति कुमार सहित बड़ी संख्या में युवा मौजूद रहे। समाजसेवी अमित मीणा ने बताया कि सीकर और जयपुर जाने के लिए क्षेत्र के लोगों को झुंझुनूं व फतेहपुर जाना पड़ता है, जिससे आमजन को काफी परेशानी उठानी पड़ती है। इस पर मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने आश्वासन दिया कि मंडावा में जल्द ही बस डिपो स्थापित करने की दिशा में कार्रवाई की जाएगी।

विधार्थियों का प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

भीम प्रज्ञा लक्ष्मणगढ़।

स्टेशन मार्ग स्थित आदर्श विद्या मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय के कक्षा 5 व 8 में A ग्रेड प्राप्त करने वाले व कक्षा 10 में उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त करने वाले विधार्थियों का प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। आयोजित कार्यक्रम में जगदीश पारीक, रामावतार पारीक (बठोठवाले), सम्पत चेजारा, पार्षद विनोद गढ़वाल, लोकेश मीणा, विद्यालय समिति के पदाधिकारी जयप्रकाश सरावगी, विद्यालय के व्यवस्थापक पुरुषोत्तम बील बतौर अतिथि मंचस्थ थे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से शुरू हुआ, अतिथियों का परिचय प्रधानाचार्य अशोक शर्मा ने दिया जबकि संचालन आचार्या विनीता शर्मा ने किया। कार्यक्रम में उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त करने वाले विधार्थियों को प्रतीक चिन्ह व मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जल संचयन के क्षेत्र में दी सौगात

जल प्रबंधन के लिए बेगपुर में 1.30 करोड़ की लागत से तैयार होगा वाटर रिचार्ज प्रोजेक्ट

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के प्रयासों से जल संरक्षण का महायज्ञ शुरू

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

हरियाणा के दक्षिणी अंचल में जल संरक्षण और खेती को बचाने की दिशा में हरियाणा सरकार की ओर से एक क्रांतिकारी अध्याय की शुरुआत हुई है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व और अटेली की विधायक एवं प्रदेश की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के प्रयासों से जिला महेंद्रगढ़ के गांव बेगपुर में सिंचाई विभाग ने एक ऐसी कार्ययोजना को अमलीजामा पहनाया है, जो भविष्य में क्षेत्र के लिए वरदान साबित होगी।

दरअसल हर साल बरसात का मौसम यहां के पहाड़ी के साथ लगते किसानों के लिए खुशहाली की जगह तबाही का मंजर लेकर आता था। हर साल बारिश के सीजन में विजयनगर की पहाड़ियों से उतरता पानी अटेली डिस्ट्रीब्यूटरी को तोड़ते हुए खेतों में कटाव कर देता था। स्वास्थ्य मंत्री की अगुवाई में यह समस्या मुख्यमंत्री के सामने रखी गई। सीएम ने तुरंत इस प्रोजेक्ट की मंजूरी दी। यह प्रोजेक्ट तैयार होने के बाद यह सैलाबी पानी बर्बादी का नहीं बल्कि खुशहाली का जरिया बनेगा। सिंचाई विभाग द्वारा तैयार यह मास्टर प्लान तकनीक और दूरदर्शिता का संगम है। सिंचाई विभाग ने अटेली डिस्ट्रीब्यूटरी के हिस्सों पर हो रहे कटाव को रोकने के लिए सीमेंट कंक्रीट के बॉक्स टाइप ड्रेनेज क्रॉसिंग बनाने का निर्णय लिया है, जिसके माध्यम से पहाड़ियों से आने वाले पानी को व्यवस्थित कर नहर के नीचे से सुरक्षित निकाला जाएगा। एक हजार मिलीमीटर व्यास की विशालकाय आरसीसी पाइपलाइन के जरिए इस पानी को एक विशाल 4 एकड़ के प्रस्तावित जोहड़ की ओर मोड़ दिया जाएगा। यह पूरी प्रक्रिया न केवल फसलों को जलभराव से बचाएगी, बल्कि मिट्टी की उर्वरता को सुरक्षित रखते हुए किसानों को होने वाले भारी आर्थिक नुकसान पर पूर्ण विराम लगा देगी।

इस प्रोजेक्ट की सबसे बड़ी उपलब्धि इसका वॉटर रिचार्ज मॉडल है, जिसे गिरते भूजल स्तर की गंभीर चुनौती से निपटने के लिए तैयार किया गया है। इस जोहड़ में दो विशेष वॉटर रिचार्ज बोरवेल का निर्माण किया जाएगा, जो बरसाती पानी की एक-एक बूंद को सीधे जमीन के भीतर पहुंचाएंगे जिससे आने वाले वर्षों में क्षेत्र के वॉटर लेवल में सुधार सुनिश्चित होगा। सुरक्षा के लिहाज से एक पक्का स्पिलवे भी बनाया जाएगा ताकि अतिरिक्त पानी का प्रबंधन पास के अन्य पंचायती जोहड़ में किया जा सके। लगभग 130 लाख रुपये की अनुमानित लागत वाला यह प्रोजेक्ट सितंबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य है। ग्राम पंचायत बेगपुर के सरपंच रणबीर सिंह द्वारा नारियल फोड़कर शुरू किए गए इस प्रोजेक्ट के शिलान्यास के मौके पर नहर विभाग के उपमंडल अधिकारी राजेश कुमार वर्मा ने स्पष्ट किया कि यह केवल एक निर्माण कार्य नहीं, बल्कि क्षेत्र की पारिस्थितिकी को बदलने वाला एक मिशन है। इस दौरान सरपंच रणबीर सिंह के साथ सुजान सिंह, अशोक पंच, अजीत सिंह, सत्येंद्र, सतीश चौकीदार, संजय, देवेंद्र सिंह, दिलीप सिंह, संतोष कुमार, संदीप कुमार, अमित कुमार, सुल्तान सिंह, कालूराम और प्रभु दयाल जैसे गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। विभागीय तकनीकी टीम से कनिष्ठ अभियंता सुनील व सचिन जैन और इंजीनियरिंग टीम के रवि व सुधांशु ने दोहराया कि यह परियोजना बेगपुर के सुनहरे और सुरक्षित भविष्य की गारंटी बनेगी।

विधानसभा में क्लर्क बिल पास होने पर 18218 कर्मचारियों की बिना पर्ची बिना खर्ची नीति से प्रमोशन का रास्ता भी खोला-नरसिंह सैनी प्रधान

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । ग्रुप डी यूनियन 1209 के गुरूग्राम डिवीजन प्रेजिडेंट नरसिंह सैनी ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का विशेष आभार प्रकट किया है। इस कार्य के लिए विकास सैनी व मुख्यमंत्री कार्यालय प्रभारी कैलाश सैनी का को विशेष सहयोग रहा है। यूनियन ग्रुप डी के अटेली के गांव कारिया निवासी प्रेजिडेंट नरसिंह सैनी ने जारी बयान में बताया कि उनका यह संघर्ष 7 वर्षों से चला आ रहा था। कर्मचारी प्रमोशन की सभी योग्यता पूरी करते हैं फिर भी उनका प्रमोशन नहीं दिया जा रहा था जिससे कर्मचारियों में भारी रोष था लेकिन बीते 27 अप्रैल को मुख्यमंत्री ने ग्रुप डी कर्मचारियों की मांग पर विधानसभा का स्पेशल सत्र बुलाया और बिल पास करवाया। बीजेपी सरकार ने एक साथ 18218 कर्मचारियों की बिना पर्ची बिना खर्ची नीति के तहत भर्ती की और आज उनके प्रमोशन का रास्ता भी खोल दिया है।

विकास सेंट्रल व साइंस कैम्पस में स्वास्थ्य शिविर आयोजित

डॉ. नरसीराम व डॉ. मनीषा ने टीकाकरण को बताया भविष्य का रक्षा कवच।

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । नौनिहालों और किशोरियों के बेहतर स्वास्थ्य और सुरक्षित भविष्य की नींव रखने के उद्देश्य से गुरुवार को मंडावर के विकास सेंट्रल सीनियर सेकेंडरी स्कूल और साइंस कैम्पस स्कूल में जागरूकता की नई किरण दिखाई दी। सर्वाइकल कैंसर जैसी घातक बीमारी को जड़ से मिटाने के संकल्प के साथ आयोजित मोटिवेशन शिविर में चिकित्सा विशेषज्ञों ने छात्राओं को एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) वैक्सीनेशन की महत्ता से रूबरू कराया। कार्यक्रम में मंडावर सरकारी अस्पताल के चिकित्सा प्रभारी डॉ. नरसीराम मीणा और महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. मनीषा मीणा ने मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत कर छात्राओं का मार्गदर्शन किया।

चिकित्सा प्रभारी डॉ. नरसीराम मीणा ने अपने ओजस्वी संबोधन में स्वास्थ्य को ही वास्तविक धन बताते हुए कहा कि बीमारियों से लड़ने का सबसे सटीक हथियार 'जागरूकता' है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि एचपीवी का टीका महज एक इंजेक्शन नहीं, बल्कि भविष्य में होने वाली कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों के खिलाफ एक अभेद्य सुरक्षा कवच है। वहीं, महिला विशेषज्ञ डॉ. मनीषा मीणा ने छात्राओं के मन से टीकाकरण को लेकर बैठी झिझक और भ्रांतियों को आत्मीयता से दूर किया। उन्होंने तकनीकी बारीकियों को सरल भाषा में समझाते हुए बताया कि सर्वाइकल कैंसर महिलाओं के लिए एक बड़ी चुनौती है, लेकिन 14 से 15 वर्ष की आयु के बीच लिया गया एक सही निर्णय (टीकाकरण) इस खतरे को पूरी तरह टाल सकता है। शिविर के दौरान छात्राओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी जिज्ञासाओं को शांत करने के लिए स्वास्थ्य संबंधी कई सवाल पूछे, जिनका चिकित्सकों ने बेहद सहजता से उत्तर दिया। इस मौके पर स्कूल प्रबंधन ने चिकित्सा टीम का आभार जताया। कार्यक्रम में विद्यालय स्टाफ सहित बड़ी संख्या में छात्राएं मौजूद रहीं, जिन्होंने इस विशेष अभियान के तहत जागरूक रहने का संकल्प लिया।

ट्रेन की चपेट में आए युवक की मौत, चिड़ावा में दर्दनाक हादसा

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

लोहारू से जयपुर जा रही ट्रेन की चपेट में आने से चिड़ावा में 19 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत हो गई। बुधवार दोपहर करीब 12:30 बजे खेतड़ी फाटक से लगभग 200 मीटर सूरजगढ़ की ओर यह हादसा हुआ, जिसमें कर्तव्य शर्मा (19) पुत्र सांवरमल शर्मा निवासी वार्ड नंबर 13, शिव हनुमान मंदिर के पास, चिड़ावा गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने उसे तुरंत निजी एम्बुलेंस से चिड़ावा के अस्पताल पहुंचाया, जहां हालत नाजुक होने पर झुंझुनूं रेफर किया गया। परिजन बेहतर इलाज के लिए जयपुर ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में हालत बिगड़ने पर सीकर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान युवक ने दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार युवक अपने पिता को खेत में खाना देने जा रहा था, तभी यह हादसा हो गया। सीकर में पोस्टमार्टम के बाद शव को चिड़ावा लाया गया और दोपहर 1 बजे बाद खेतड़ी रोड स्थित मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार किया गया। इस घटना पर पूर्व पार्षद रविकांत शर्मा ने गहरा दुख व्यक्त किया है।

मिलनसार व्यक्तित्व के धनी महेश कुमार सिंगल हुए सेवानिवृत्त, यादगार रहा सेवाकाल

अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड में अधीक्षण अभियंता के रूप में दी उल्लेखनीय सेवाएं

भीम प्रज्ञा न्यूज.अजमेर।

अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड में अधीक्षण अभियंता के पद पर ब्यावर में कार्यरत महेश कुमार सिंगल राजकीय सेवा से सेवानिवृत्त हो गए। उनके सेवानिवृत्त होने पर विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों एवं शुभचिंतकों ने उन्हें भावभीनी विदाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। महेश कुमार सिंगल अपने सेवाकाल के दौरान एक कर्मठ, ईमानदार और मिलनसार अधिकारी के रूप में जाने जाते रहे। उन्होंने अजमेर डिस्कॉम में झुंझुनू सीकर में अपने कार्यकाल में विभागीय कार्यों को दक्षता एवं समर्पण के साथ निभाते हुए विद्युत व्यवस्था को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

सहकर्मियों ने बताया कि सिंगल साहब का व्यवहार हमेशा सहयोगात्मक रहा, जिसके चलते वे सभी के प्रिय बने रहे। उन्होंने न केवल प्रशासनिक जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया, बल्कि अपने अनुभव और मार्गदर्शन से अधीनस्थ कर्मचारियों को भी प्रेरित किया। उनके सेवानिवृत्ति अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि उनका सेवाकाल विभाग के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा और उनके द्वारा स्थापित कार्य संस्कृति को आगे बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने महेश कुमार सिंगल को सेवानिवृत्ति की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ, सुखद और सफल जीवन की कामना की।

शादी में से लौट रहे पूर्व चैयरमैन के देवर की गाड़ी पर जैतपुर में हुआ पथराव,मामला दर्ज

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । थाना इलाके के जैतपुर गांव में एक शादी समारोह से लौटते वक्त नगरपालिका मंडावर की पूर्व चैयरमैन सरिता नारेड़ा के देवर की गाड़ी पर एक महिला ने अचानक पत्थरों से हमला बोल दिया। हमले में गाड़ी के शीशे टूट गए और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार, मंडावर निवासी पूर्व पालिका चैयरमैन सरिता नारेडा के देवर अशोक कुमार मीणा ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि बीती 29 अप्रैल की रात करीब पौने नौ बजे वह अपने भाई बलराम मीणा के साथ जैतपुर गांव में आयोजित एक विवाह समारोह में शामिल होकर अपनी गाड़ी से वापस घर लौट रहा था। इसी दौरान रास्ते में गांव की ही मुकेशी देवी हाथ में पत्थर लेकर अचानक गाड़ी के सामने आ खड़ी हुई। आरोप है कि महिला ने बिना किसी वजह के गाली-गलौज शुरू कर दी और देखते ही देखते गाड़ी पर पत्थरों से ताबड़तोड़ वार कर दिए, जिससे चालक की बगल वाली खिड़की का शीशा और पिछले फाटक का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के दौरान सूझबूझ का परिचय देते हुए पूर्व चैयरमैन के देवर ने न तो गाड़ी के शीशे नीचे किए और न ही वाहन से बाहर निकला, बल्कि मौका पाकर सुरक्षित वहां से निकल गया। दर्ज रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि पीड़ित अशोक नारेड़ा ने पूरी घटना का वीडियो बना लिया था जिसे अलग से बतौर साक्ष्य पुलिस को सौंप दिये जाने की बात बताई गई है, जिसमें महिला द्वारा किए गए हमले की तस्वीरें कैद बताई जा रही हैं। मंडावर थाना पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी महिला के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है और प्रकरण की जांच एएसआई हरदयाल सिंह को सौंपी गई है। पुलिस अब हमले के पीछे के असल कारणों का पता लगाने में जुटी है।

स्वास्थ्य विभाग की पहल: कुहाड़वास पीएचसी पर HPV टीकाकरण कार्यक्रम आयोजित, 361 किशोरियों को लग चुकी वैक्सीन

भीम प्रज्ञा न्यूज.बुहाना।

बुहाना खण्ड में सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाए जा रहें अभियान के तहत गुरुवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुहाड़वास में HPV टीकाकरण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किशोरियों को गंभीर बीमारी से सुरक्षित करना और अभिभावकों में जागरूकता बढ़ाना रहा। कार्यक्रम के दौरान खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. जयवीर सिंह भगासरा की उपस्थिति में टीकाकरण कार्य सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। उनके निर्देशन में स्वास्थ्य टीम ने पूरी तैयारी और सावधानी के साथ किशोरियों को वैक्सीन लगाई। इस मौके पर जैतपुर निवासी रामचंद्र की पुत्रियां संध्या और साक्षी, जो शहीद हर्ष मेजर सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल जैतपुर की छात्राएं हैं, को HPV का टीका लगाया गया। इससे अन्य छात्राओं और अभिभावकों में भी सकारात्मक संदेश गया। डॉ. भगासरा ने जानकारी देते हुए बताया कि बुहाना खण्ड में अब तक 361 किशोरियों को HPV वैक्सीन लगाई जा चुकी है। उन्होंने बताया कि 9 मई 2026 तक चलने वाले विशेष अभियान के दौरान सभी पात्र किशोरियों को टीकाकृत करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि HPV वैक्सीनेशन सर्वाइकल कैंसर जैसी घातक बीमारी से बचाव का एक प्रभावी और सुरक्षित तरीका है। समय पर टीकाकरण से भविष्य में इस बीमारी के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपनी पात्र बालिकाओं का टीकाकरण अवश्य करवाएं और इस अभियान में सहयोग दें।

कार्यक्रम में चिकित्सा अधिकारी डॉ. सरिता जांगिड़ सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। टीम ने न केवल टीकाकरण किया बल्कि उपस्थित लोगों को इसके महत्व के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। स्वास्थ्य विभाग की इस पहल को क्षेत्र में सराहना मिल रही है और उम्मीद है कि अभियान के अंत तक अधिक से अधिक किशोरियां इसका लाभ उठाकर सुरक्षित भविष्य की ओर कदम बढ़ाएंगी।

गोवला के बंद मकान में चोरी का आरोपी गिरफ्तार, नगदी और चांदी बरामद

भीम प्रज्ञा न्यूज.सुलताना।

जिला पुलिस अधीक्षक कावेन्द्र सिंह सागर के निर्देशन में सुलताना थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गोवला गांव के एक बंद मकान में हुई चोरी का खुलासा किया है। पुलिस ने मामले में आरोपी विक्रम को गिरफ्तार कर उसके पास से 10,000 रुपये नगद और चांदी के आभूषण बरामद किए हैं। 25 मार्च 2026 को गोवला निवासी विमलेश ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। परिवादी ने बताया था कि उनके बंद मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने चांदी के जेवर और नगदी पार कर ली है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र सिंह राजावत और वृताधिकारी विकास धींधवाल के सुपरविजन में थानाधिकारी रविन्द्र कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। एमआईयू (MIU) टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए। पुलिस टीम ने तकनीकी इनपुट और मुखबिरों की सहायता से विक्रम (23), पुत्र जगदीश प्रसाद, निवासी नगली गुजरान (गुढागौड़जी) को धर दबोचा। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किए गए 10,000 रुपये नगद और चांदी का सामान बरामद कर लिया है। इस सफल कार्रवाई में थानाधिकारी रविन्द्र कुमार, सहायक उपनिरीक्षक बनवारी लाल, कांस्टेबल सीताराम, स्नेह और दिनेश कुमार की मुख्य भूमिका रही।

समाधान शिविर में नागरिकों ने रखी 42 समस्याएं

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशों के तहत जिला प्रशासन आम जनता की शिकायतों के निपटारे के लिए पूरी तरह सक्रिय है। इसी कड़ी में गुरुवार को नारनौल के लघु सचिवालय में आयोजित समाधान शिविर में 42 नागरिकों ने अपनी व्यथा अधिकारियों के समक्ष रखी। जिला परिषद के सीईओ निर्मल नागर ने इन शिकायतों की अध्यक्षता करते हुए एक-एक फरियादी की बात को धैर्यपूर्वक सुना और मौके पर मौजूद अधिकारियों को उनके त्वरित समाधान के कड़े निर्देश दिए।

शिविर के दौरान मुख्य रूप से परिवार पहचान पत्र (पीपीपी) की विसंगतियों और प्रॉपर्टी आईडी की तकनीकी खामियों को लेकर नागरिकों में भारी चिंता देखी गई। इसके अलावा बिजली आपूर्ति, पेयजल किल्लत और पुलिस प्रशासन से संबंधित मामलों पर भी सीईओ ने संबंधित विभागों से जवाब-तलबी की। उन्होंने बताया कि जिला स्तर के साथ-साथ उपमंडल स्तर पर भी हर सोमवार और गुरुवार को सुबह 10 से 12 बजे तक ये शिविर नियमित रूप से आयोजित किए जा रहे हैं ताकि किसी भी व्यक्ति को अपनी छोटी-मोटी समस्याओं के लिए चंडीगढ़ या बड़े कार्यालयों के चक्कर न काटने पड़ें। इस मौके पर डीएमसी नगर परिषद रणवीर सिंह, नगराधीश डॉ. मंगल सेन और डीएसपी भारत भूषण सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

मानवाधिकार विकास संघ में नई नियुक्ति, डॉ. दिलीप सिंह शेखावत बने सीकर जिला अध्यक्ष

भीम प्रज्ञा न्यूज.सीकर।

जिले में सामाजिक क्षेत्र से जुड़ी एक महत्वपूर्ण नियुक्ति सामने आई है। मानवाधिकार विकास संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश तंवर ने डॉ. दिलीप सिंह शेखावत को सीकर जिला अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी है।मानवाधिकार विकास संघ एक गैर-राष्ट्रीय स्तर का सामाजिक संगठन है, जो समाज के कमजोर, शोषित और पीड़ित वर्गों के अधिकारों की रक्षा के लिए कार्य करता है। संगठन जनजागरूकता फैलाने, जरूरतमंदों को कानूनी सहायता उपलब्ध कराने और अन्याय व भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने के लिए जाना जाता है। डॉ. शेखावत लंबे समय से सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रहे हैं। वे रोटरी क्लब, हिंदू जागरण मंच सहित कई धार्मिक व सामाजिक संस्थाओं से जुड़े हुए हैं। उनकी सक्रियता और सामाजिक योगदान को देखते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनकी नियुक्ति पर मानवाधिकार विकास संघ के जिला, प्रांत और राष्ट्रीय स्तर के पदाधिकारियों ने खुशी जताई है। इसके साथ ही विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, गो सेवा संघ, विवेकानंद युवा संगठन पलसाना सहित जयपुर, सीकर, चौमू, खंडेला, श्रीमाधोपुर और खाटूश्यामजी क्षेत्र के कई लोगों ने उन्हें बधाई दी। डॉ. शेखावत ने इस नई जिम्मेदारी के लिए सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे जल्द ही जिला कार्यकारिणी का गठन करेंगे और संगठन को मजबूती देने के लिए सक्रिय रूप से कार्य करेंगे।

सेवानिवृत्ति पर विदाई समारोह आयोजित

एलबीपी वेद प्रकाश लगभग 27 वर्षों की सेवा के बाद सेवानिवृत्त

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

सूचना, लोक संपर्क, भाषा तथा संस्कृति विभाग में लीडर भजन पार्टी पद पर कार्यरत वेद प्रकाश आज अपनी लगभग 27 वर्षों की सेवा के बाद सेवानिवृत्त हो गए। जिला सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय नारनौल में आयोजित विदाई समारोह में जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी संजय बिढ़लान ने उनका पगड़ी पहनाकर सम्मान किया। इस मौके पर सेवानिवृत्ति उपनिदेशक उषा रानी भी विशेष तौर पर मौजूद थी।

जिले के गांव खेड़ी के वेद प्रकाश ने वर्ष 1999 में विभाग में अपनी सेवाएं शुरू की थी। इस मौके पर पूर्व डिप्टी डायरेक्टर उषा रानी ने वेद प्रकाश के सेवाकाल की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया। स्टाफ सदस्यों ने उनके साथ बिताए गए अनुभवों को साझा किया और उनके मृदुभाषी स्वभाव व कार्यकुशलता की प्रशंसा की। एलबीपी वेद प्रकाश ने भी सभी साथियों का आभार व्यक्त करते हुए अपने सेवाकाल के संस्मरण साझा किए। जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी संजय बिढ़लान ने कहा कि वेद प्रकाश ने अपना काम बखूबी निभाया है। उन्होंने कहा कि मनुष्य की पहचान उनके पद से नहीं बल्कि काम से होती है। यही कारण है कि इनको हर गांव में लोग जानते थे। इस अवसर पर एआईपीआरओ नारनौल धर्मेंद्र कादियान व एआईपीआरओ महेंद्रगढ़ अक्षय कुमार के अलावा कार्यालय के समस्त कर्मचारी एवं गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

नीमराना में बाबा गरीब नाथ मेले की तैयारी बैठक संपन्न, 10 मई को सजेगा आस्था का मेला: भक्तों ने दिए सुझाव

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

शिवरतन हवलदार सहित बड़ी संख्या में समिति

रमेशचंद । श्री श्री 1008 बाबा गरीब नाथ के वार्षिक मेले को भव्य एवं सुव्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए आज शाम 5 बजे मेला कमेटी की आवश्यक बैठक आयोजित हुई। बैठक में मेले की पूर्व तैयारियों, सुरक्षा, पार्किंग, पेयजल व प्रकाश व्यवस्था सहित विभिन्न बिंदुओं पर गहन चर्चा कर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। मेला कमेटी अध्यक्ष एन. आर. निंबोरिया ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बाबा गरीब नाथ का वार्षिक मेला 10 मई को धूमधाम से आयोजित किया जाएगा। बैठक में अध्यक्ष नोतराम निंबोरिया अध्यापक, एडवोकेट प्राणसुख सैनी, महावीर प्रसाद चर्खिया, भूपसिंह ठेकेदार, सुरेश चंद रेवाड़िया, किशनलाल योगी, हरकेश हवलदार, खुशीराम, सदस्य, पदाधिकारी एवं भक्तजन मौजूद रहे। सभी ने अपने-अपने सुझाव रखकर मेले को ऐतिहासिक बनाने का संकल्प लिया। बैठक के दौरान मंदिर की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर भी चर्चा हुई। श्री 1008 बाबा गरीब नाथ महाराज का प्राचीन मंदिर कस्बे की आस्था का प्रमुख केंद्र है। इतिहास के अनुसार मंदिर की स्थापना राजा जनक सिंह के समय चैत्र सुदी पंचमी, संवत 1938 में हुई थी। बाद में श्री श्री 1008 श्री रघुनाथ जी महाराज ने अपनी जन्मभूमि नीमराना में चैत्र सुदी पंचमी, संवत 2030 को विधिवत मूर्ति स्थापना करवाई। सर्वप्रथम मंदिर में सुगन्नाथ जी एवं सूरदास जी द्वारा नियमित पूजा-अर्चना की जाती रही। उनके ब्रह्मलीन होने के पश्चात श्री 108 महंत इकसार नाथ जी महाराज ने पूजा-पाठ का दायित्व संभाला, जो आज तक निरंतर जारी है। उनके कार्यकाल में मंदिर परिसर में सत्संग हेतु बरामदा, भक्तजनों के ठहरने के लिए कमरों का निर्माण, मुख्य बरामदा तथा चार द्वारी का निर्माण करवाया गया। बाबा ने मंदिर के साथ-साथ शिक्षा को भी प्राथमिकता दी। उनके मार्गदर्शन में अलवर में महिला छात्रावास, नीमकाथाना में बाबा भीमराव अंबेडकर छात्रावास की रसोई, बहरोड़ में बाबा गरीब नाथ छात्रावास में कमरे का निर्माण तथा नीमराना में बाबू जगजीवन राम छात्रावास में कमरे का निर्माण करवाया गया। महंत इकसार नाथ जी महाराज का कहना है कि वर्तमान समय में सभी को शिक्षा की ओर विशेष ध्यान देना चाहिए। मेला कमेटी ने सभी भक्तजनों से 10 मई को अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर मेले को सफल बनाने की अपील की है। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी हजारों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।

दुराना में ग्राम रथ अभियान का भव्य स्वागत, योजनाओं की जानकारी से जागरूक हुए ग्रामीण

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । अंत्योदय की भावना के साथ अंतिम व्यक्ति तक विकास योजनाओं का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से चलाया जा रहा ग्राम रथ अभियान गुरुवार को मंडावा पंचायत समिति क्षेत्र की ग्राम पंचायतों–भारू, सिरयासर, दुराना और भीमसर–में पहुंचा। अभियान का मुख्य उद्देश्य किसानों, पशुपालकों, महिलाओं और युवाओं तक सरकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाना रहा। दुराना में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष एवं निवर्तमान जिला प्रमुख हर्षिणी कुल्हरी ने भाग लिया और ग्रामीणों को राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं लेकर आई है, जिनका लाभ महिलाओं को अवश्य उठाना चाहिए।

उन्होंने जानकारी दी कि लखपति दीदी योजना के तहत अब 1 लाख रुपये की बजाय 1.50 लाख रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। वहीं मुख्यमंत्री नारी शक्ति उद्यमिता योजना के अंतर्गत ऋण सीमा 50 लाख रुपये से बढ़ाकर 100 लाख रुपये कर दी गई है। कृषि क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा 'ग्राम मीट 2026' आयोजित किया जाएगा। हर्षिणी कुल्हरी ने कहा कि राज्य सरकार 'विकसित राजस्थान@2047' के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए ग्राम रथ अभियान और 'मुख्यमंत्री विकसित ग्राम अभियान' चला रही है। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों का समग्र विकास सुनिश्चित करना और आधारभूत सुविधाओं का विस्तार करना है। उन्होंने जनसहयोग की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि अधिकारी और जनप्रतिनिधि जब तक फील्ड में जाकर लोगों की समस्याओं को नहीं समझेंगे, तब तक समाधान संभव नहीं है। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों से सुझाव पेटिका के माध्यम से सुझाव भी लिए गए, ताकि उनकी समस्याओं और आकांक्षाओं का समाधान प्रशासन द्वारा किया जा सके। साथ ही जिला प्रशासन द्वारा नियुक्त लोक कलाकारों के 'कला जत्था' ने सरल भाषा में प्रस्तुतियां देकर सरकारी योजनाओं की जानकारी दी, जिससे आमजन को योजनाओं को समझने में आसानी हुई।

इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलेक्टर अजय आर्य, उपखंड अधिकारी मंडावा मुनेश कुमारी, खंड विकास अधिकारी अमित चौधरी, तहसीलदार सुरेंद्र भास्कर, भाजपा उपाध्यक्ष महावीर, भाजपा युवा अध्यक्ष जयसिंह मांठ, सहायक विकास अधिकारी गोपाल सिंह, श्रीराम महिच सहित 13 विभागों के ब्लॉक स्तरीय अधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

मंडावा में यूडीएच मंत्री झाबरसिंह खर्रा का स्वागत, भाजपा कार्यकर्ताओं से हुए रूबरू

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । राज्य के यूडीएच मंत्री झाबरसिंह खर्रा गुरुवार को एक सामाजिक कार्यक्रम के तहत मंडावा पहुंचे। वे भाजपा नेता दिनेश धाबाई के भतीजे के विवाह समारोह में शामिल हुए। कार्यक्रम में शिरकत करने के बाद मंत्री खर्रा ने भाजपा कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और उनसे रूबरू हुए। इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा मंत्री झाबरसिंह खर्रा का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम में प्रायोजक दिनेश धाबाई, झुंझुनूं विधायक राजेन्द्र भामूं, जिला भाजपा अध्यक्ष हर्षिनी कुलहरि, पूर्व सांसद नरेन्द्र कुमार, भाजपा नेता प्यारेलाल ढूकिया, संदीप शर्मा, कैलाश पीपलवा, पूर्व सरपंच सज्जन पूनिया, प्रमोद देवड़ा, सुनील सैनी, गोविन्द जोशी, बाबूलाल सैनी और संजय शर्मा सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ताओं ने मंत्री की अगवानी कर स्वागत किया। अंत में प्रायोजक दिनेश धाबाई ने सभी आगंतुक मेहमानों का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया।

रफ्तार का कहर: मंडावर-भूड़ा मार्ग पर दो बाइकों की भीषण भिड़ंत, दोनो के चालक हुये घायल

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । कस्बे के निकटवर्ती मंडावर-भूड़ा सड़क मार्ग पर गुरुवार सुबह रफ्तार और लापरवाही के मेल ने एक बार फिर सड़क को खून से सराबोर कर दिया। अनु पैराडाइज के समीप नायरा पेट्रोल पंप के ठीक सामने दो बाइकों के बीच हुई जोरदार भिड़ंत में दोनों चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसा उस समय हुआ जब एक बाइक सवार ने आगे निकलने की होड़ में अचानक ओवरटेक करने का प्रयास किया, जिससे दोनों वाहन अनियंत्रित होकर आपस में टकरा गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार सड़क पर दूर तक घिसटते चले गए, जिन्हें देख मौके पर राहगीरों की भारी भीड़ जमा हो गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली और 108 एम्बुलेंस की मदद से घायलों को तुरंत राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मंडावर पहुंचाया। घायलों की पहचान मंडावर निवासी मुकेश गुप्ता (55) पुत्र शिवप्रसाद कट्टा और बावड़ीखेड़ा निवासी अभिषेक (17) पुत्र रामकेश मीणा के रूप में हुई है। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने दोनों की स्थिति स्थिर बताते हुए उन्हें परिजनों के सुपुर्द कर घर भेज दिया। पीड़ित मुकेश गुप्ता ने बताया कि वह अपनी दुकान की उधारी वसूली के लिए भूड़ा की ओर जा रहा था, तभी पीछे से आई तेज रफ्तार बाइक ने उसे चपेट में ले लिया। वहीं, दूसरी ओर घायल अभिषेक ने बताया कि वह घर में शादी के कार्यों के चलते मंडावर आया था और वापस लौटते समय संतुलन बिगड़ने से यह हादसा घटित हुआ। हालांकि, पुलिस के अनुसार इस मामले में अभी तक किसी भी पक्ष की ओर से कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई गई है।

विधवा महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए सरकार की पहल

स्वरोजगार के लिए हरियाणा महिला विकास निगम दे रहा आर्थिक मदद

महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए 3 लाख तक का ऋण

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में चल रही हरियाणा सरकार विधवा महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए 3 लाख रुपए तक की ऋण योजना चलाई जा रही है। इस योजना के तहत महिलाओं को व्यक्तिगत कारोबार स्थापित करने के लिए बैंकों के माध्यम से ऋण उपलब्ध करवाया जाता है। उपायुक्त अनुपमा अंजली ने बताया कि हरियाणा महिला विकास निगम की ओर से इस योजना के तहत महिलाएं अपना व्यक्तिगत कारोबार स्थापित करने के लिए बैंकों के माध्यम से 3 लाख रुपए तक का ऋण प्राप्त कर सकती हैं। उन्होंने बताया कि इस योजना का लाभ लेने के लिए विधवा महिला की आयु 18 से 60 वर्ष व वार्षिक आय 3 लाख रुपए से अधिक नहीं होनी चाहिए। डीसी ने बताया कि बैंक ऋण पर लगने वाले ब्याज की प्रतिपूर्ति निगम द्वारा की जाएगी। इसकी अधिकतम सीमा 50 हजार रुपए या 3 वर्ष की अवधि (जो भी पहले हो) निर्धारित है। उन्होंने बताया कि बुटीक, सिलाई-कढ़ाई, ई-रिक्शा, भैंस पालन, मसाला व अचार इकाई, खाद्य प्रसंस्करण, कैरी बैग निर्माण, बेकरी, रेडीमेड गारमेंट्स व अन्य किसी भी कार्य जिसको करने में महिलाएं सक्षम हो उन सभी कार्यों के लिए ऋण दिया जाता है। उन्होंने बताया कि योजना के बारे में जानकारी के लिए इच्छुक छात्राएं व महिलाएं बस स्टैंड के नजदीक नरूला होटल के पीछे स्थित हरियाणा महिला विकास निगम कार्यालय में संपर्क कर सकती हैं। इसके अलावा कार्यालय के दूरभाष नंबर 01282-250346 पर भी कार्य दिवस के दौरान जानकारी ली जा सकती है।

थाना सदर टोहाना पुलिस की बड़ी कार्रवाई : हेरोइन सहित आरोपी काबू

6.18 ग्राम हेरोइन बरामद, एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । थाना सदर टोहाना पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक युवक को हेरोइन सहित काबू करने में सफलता हासिल की है। पुलिस टीम ने गश्त के दौरान संदिग्ध गतिविधि के आधार पर तत्परता से कार्रवाई को अंजाम दिया।थाना सदर टोहाना प्रभारी निरीक्षक शादी राम ने बताया कि दिनांक 29 अप्रैल को पुलिस टीम एएसआई जितेंद्र सिंह के नेतृत्व में गश्त व नशीले पदार्थों की रोकथाम के लिए क्षेत्र में मौजूद थी। इस दौरान गांव सलेमपुरी हेड के पास एक युवक संदिग्ध अवस्था में दिखाई दिया, जो पुलिस वाहन को देखकर घबराकर भागने लगा। पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उसका पीछा किया और कुछ ही दूरी पर उसे काबू कर लिया।आरोपी की पहचान राहुल पुत्र बलवान निवासी धारसूल खुर्द, जिला फतेहाबाद के रूप में हुई। नियमानुसार तलाशी लेने पर उसके कब्जे से एक पारदर्शी पन्नी में हेरोइन बरामद हुई, जिसका कुल वजन पन्नी सहित 6.18 ग्राम पाया गया। इस संबंध में थाना सदर टोहाना में अभियोग संख्या 73 दिनांक 29.04.2026, धारा 21B/61/85 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश किया जाएगा तथा मामले की आगामी जांच जारी है।

'जय बाबा भौमिया': मोहलडिया में 8वां मेला व विशाल भंडारा श्रद्धा से संपन्न

देशी घी के दाल-बाटी चूरमा का हजारों भक्तों ने चखा स्वाद

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । नगरपालिका नीमराना के मोहलडिया स्थित बाबा भौमिया मंदिर प्रांगण में गुरुवार को बाबा भौमिया का 8वां वार्षिक मेला व विशाल भंडारा श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी देशी घी के दाल-बाटी-चूरमा का विशाल भंडारा आयोजित किया गया, जिसमें हजारों भक्तजनों ने प्रसाद ग्रहण कर बाबा का आशीर्वाद प्राप्त किया। आयोजक बाबा भौमिया कमेटी मोहलडिया व नगरपालिका नीमराना द्वारा प्रातः 10 बजे से देशी घी के भंडारे का प्रसाद वितरण शुरू किया गया। सुबह से ही मंदिर परिसर में भक्तों की लंबी कतारें लग गईं। मित्रों-परिवार के साथ पहुंचे श्रद्धालुओं ने पहले बाबा भौमिया के दर्शन किए, फिर पंगत में बैठकर दाल-बाटी-चूरमा का प्रसाद ग्रहण किया। देर शाम तक भंडारा अनवरत चलता रहा। भंडारे के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन हुआ। प्रातः 11 बजे से हरियाणवी रागनी के बेताज कलाकार रमेश कलवाडिया एंड पार्टी ने विशाल रागनी कंपटीशन प्रस्तुत किया। कलाकारों ने बाबा भौमिया की महिमा और सामाजिक सरोकारों पर आधारित रागनियों से समां बांध दिया। ग्रामीण अंचल से आए सैकड़ों श्रोता देर तक कार्यक्रम का आनंद लेते रहे। बाबा भौमिया कमेटी मोहलडिया के पदाधिकारियों ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी सभी भक्तजनों और भामाशाहों के सहयोग से मेला व भंडारा सफल रहा। इस अवसर पर राजस्थान मेघवाल परिषद के जिला संयोजक महावीर प्रसाद चर्खिया, राजवीर पूर्व सरपंच, राजवीर PTI, करण सिंह, रोहताश लंबरदार, ओमप्रकाश लंबरदार, लालाराम सेठ, मनोहर लाल, सिंघाराम, बुधराम, सोमदत्त, बलवंत PTI एवं समस्त ग्रामवासी उपस्थित रहे। कमेटी ने सभी सहयोगियों, सेवादारों और श्रद्धालुओं का आभार जताया।

फतेहाबाद पुलिस की बड़ी कार्यवाही: टोहाना में रेलवे अंडर ब्रिज के पास से अफीम सहित एक नशा तस्कर काबू

सीआईए टोहाना ने 33.70 ग्राम अफीम सहित तिलक नगर निवासी सुरेंद्र को किया काबू-

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । फतेहाबाद पुलिस द्वारा नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सीआईए टोहाना की टीम ने एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। पुलिस ने गश्त के दौरान खनौरा रोड स्थित रेलवे अंडर ब्रिज के पास से एक व्यक्ति को अफीम सहित रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सुरेंद्र कुमार पुत्र मांगे राम, निवासी वार्ड नंबर 16, तिलक नगर, टोहाना के रूप में हुई। सीआईए टोहाना प्रभारी उप निरिक्षक अशोक कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस टीम सरकारी गाड़ी में गश्त और पड़ताल के दौरान दमकौरा रोड से नया बाईपास होते हुए गांव खनौरा की तरफ जा रही थी। रात को जब पुलिस टीम रेलवे अंडर ब्रिज के पास पहुंची, तो सामने से एक व्यक्ति सड़क पर आता दिखाई दिया। पुलिस की गाड़ी को देखकर वह व्यक्ति घबरा गया और खेतों की तरफ भागने की कोशिश करने लगा, जिसे पुलिस टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए तुरंत काबू कर लिया व नियमानुसार तलाशी लेने पर आरोपी के पास से 33.70 ग्राम अफीम बरामद हुई। आरोपी सुरेंद्र कुमार के खिलाफ थाना सदर टोहाना में मुकदमा नंबर 76,/2026 धारा 18ष्ट-61-85 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया गया । मामले में आरोपी से गहनता से पुछताछ कर नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

फतेहाबाद पुलिस की नशे पर बडी कार्यवाही: टोहाना में नहर की पटरी से 602 ग्राम गांजा सहित एक युवक काबू

थाना शहर टोहाना पुलिस ने किला मोहल्ला निवासी संदीप को किया काबू

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । फतेहाबाद पुलिस द्वारा नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना शहर टोहाना के अंतर्गत चंडीगढ़ रोड चौकी पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस टीम ने गश्त के दौरान भाखड़ा नहर की पटरी से एक युवक को भारी मात्रा में नशीले पदार्थ 'गांजा' सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान संदीप पुत्र कृष्ण कुमार निवासी: किला मोहल्ला, टोहाना, जिला फतेहाबाद के रूप में हुई है। थाना शहर टोहाना प्रभारी निरिक्षक कुलदीप ने जानकारी देते हुए बताया कि चंडीगढ़ रोड चौकी प्रभारी पुलिस टीम सरकारी गाड़ी में सवार होकर भाखड़ा नहर सिरसा ब्रांच की पटरी पर गश्त कर रही थी। जब पुलिस पार्टी भूत मार्केट के पास पहुंची, तो सामने से एक युवक पैदल आता दिखाई दिया, जिसके दाहिने हाथ में काले रंग का वजनदार पॉलिथीन था। पुलिस की गाड़ी को देखकर आरोपी घबरा गया और नहर की पटरी से नीचे उतरने लगा, जिसे पुलिस टीम ने शक के आधार पर तुरंत काबू कर लिया। नियमानुसार तलाशी लेने पर आरोपी के पासे से 602 ग्राम गांजा बरामद हुआ। आरोपी के खिलाफ थाना शहर टोहाना में एनडीपीएस एक्ट की धारा 20-61-85 के तहत मुकदमा 120/2026 दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है। आरोपी से गहनता से पुछताछ कर नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जा रही है।

3 दिन आंधी-बारिश का अलर्ट, जैसलमेर-बाड़मेर सबसे गर्म

भीम प्रज्ञा न्यूज / जयपुर

राजस्थान में मई में गर्मी कंट्रोल में रहने की संभावना है। पहले दो सप्ताह में वेस्टर्न डिस्टरबेंस के असर से आंधी-बारिश का दौर जारी रह सकता है। तापमान सामान्य रहने की संभावना है। इस दौरान अधिकांश दिनों में दिन में गर्मी, जबकि शाम को आंधी-बारिश का अनुमान है। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के असर से 2 मई को 19 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। जो 4 मई तक रहेगा। पिछले 24 घंटे में कुछ इलाकों में आंधी चली और बारिश के साथ ओले गिरे।

मंडियों में गेहूं खरीद व उठान कार्य ने पकड़ी रफ्तार, 4.51 लाख मीट्रिक टन से अधिक उठान पूरा

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । जिला की अनाज मंडियों में गेहूं खरीद प्रक्रिया पूरी तरह व्यवस्थित और सुचारू रूप से जारी है। किसानों की फसल सरकार द्वारा निर्धारित मानकों और पारदर्शी व्यवस्था के तहत खरीदी जा रही है। डीसी डॉ. विवेक भारती के कुशल मार्गदर्शन में सभी मंडियों व खरीद केंद्रों पर खरीद के साथ-साथ फसल उठान कार्य भी तेज गति से किया जा रहा है। खरीद प्रक्रिया को प्रभावी बनाए रखने के लिए नियुक्त नोडल अधिकारी लगातार फील्ड में सक्रिय रहते हुए व्यवस्थाओं की निगरानी कर रहे हैं, जिससे मंडियों में सुव्यवस्थित माहौल बना हुआ है और किसानों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ रहा। डीसी ने वीरवार को अपने कार्यालय में खरीद एजेंसियों के अधिकारियों के साथ बैठक कर गेहूं उठान कार्य की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि उठान कार्य में तेजी बनाए रखें और खरीद व उठान के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करें, ताकि मंडियों में अनावश्यक जाम या फसल का ठहराव न हो। डीएफएससी कुशल बुरा ने बताया कि जिला में अब तक 4 लाख 51 हजार 705 मीट्रिक टन गेहूं का सफलतापूर्वक उठान किया जा चुका है। बैठक में एसडीएम टोहाना आकाश शर्मा, एसडीएम फतेहाबाद राजेश कुमार, आरटीए संजय बिश्नोई, एसडीएम रतिया सुरेंद्र सिंह, सीईओ सुरेश कुमार, सीटीएम गौरव गुप्ता, डीडीपीओ अनूप सिंह, डीएफएससी कुशल बूरा, जीएम हैफ़ेड मांगेराम बेनीवाल, जीएम एचडब्लूसी दिलबाग सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

डीजे का शोर नहीं सह पाईं मुर्गियां, 140 की जान गई, पोल्ट्री फार्म संचालक ने डीजे कराई एफआईआर

सुल्तानपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर जिले से एक ऐसा हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां शादी के जश्न में बज रहे तेज डीजे की आवाज बेजुबान पक्षियों के लिए काल बन गई। बल्दीराय थाना क्षेत्र के दरियापुर गांव में एक पोल्ट्री फार्म के पास से गुजर रही बारात के डीजे की कानफोड़ू आवाज के कारण कथित तौर पर 140 मुर्गियों की दहशत से मौत हो गई। इस अनोखी घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है और पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पूरी घटना 25 अप्रैल की रात की है। गांव के निवासी बब्बन विश्वकर्मा की बेटी की शादी थी, जिसकी बारात कुड़वार के पूरे राम भद्र पुरवा से आई थी। बारात जब पूरे गाजे-बाजे और डीजे के साथ गांव की गलियों से गुजर रही थी, तभी रास्ते में साबिर अली का पोल्ट्री फार्म पड़ा। साबिर का आरोप है कि रात करीब 9:30 बजे जब डीजे उनके फार्म के सामने पहुंचा, तो उसकी ध्वनि सीमा इतनी अधिक थी कि मुर्गियों के दबड़े में अचानक अफरा-तफरी मच गई। तेज धमक और शोर के कारण मुर्गियां दहशत में आ गईं और देखते ही देखते 140 मुर्गियों ने दम तोड़ दिया। पीड़ित साबिर अली ने बताया कि उन्होंने डीजे ऑपरेटर से आवाज कम करने का अनुरोध भी किया था, लेकिन उनकी बात अनसुनी कर दी गई। मुर्गियों की मौत के बाद हुए आर्थिक नुकसान से आहत साबिर ने बल्दीराय थाने में न्याय की गुहार लगाई। पुलिस ने मामले की गंभीरता और पशु क्रूरता के पहलुओं को देखते हुए परसीपुर निवासी डीजे संचालक कवि यादव के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जांच कर रहे उपनिरीक्षक एमडी ताहुर खान यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या डीजे निर्धारित डेसिबल मानकों का उल्लंघन कर रहा था। विशेषज्ञों का कहना है कि तेज ध्वनि तरंगें और भारी बेस छोटे पक्षियों के दिल की धड़कन को अनियंत्रित कर देते हैं, जिससे उन्हें कार्डियक अरेस्ट (दिल का दौरा) पड़ने का खतरा रहता है। इस घटना ने एक बार फिर शादियों और अन्य समारोहों में ध्वनि प्रदूषण के नियमों की अनदेखी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल, गांव में यह मामला चर्चा का केंद्र बना हुआ है।

बीजेपी नेता अग्रवाल ने की पायलट पर अपमानजनक टिप्पणी, कांग्रेस ने फूंका पुतला

बहरोड़ (एजेंसी)। राजस्थान में बीजेपी प्रदेश प्रभारी राधा मोहन अग्रवाल ने कांग्रेस के दिग्गज नेता सचिन पायलट के खिलाफ की गई अपमानजनक और अनर्गल टिप्पणी ने सियासी पारा चढ़ा दिया है। इस बयान के विरोध में बहरोड़ के कांग्रेस कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आए और बीजेपी प्रभारी का पुतला दहन कर कड़ा विरोध जताया। पीसीसी महासचिव डॉ. आरसी यादव के नेतृत्व में हुए इस विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस ने बीजेपी को सीधी चेतावनी दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डॉ. यादव ने साफ कहा कि बीजेपी का यह कृत्य बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है और राधा मोहन अग्रवाल को अपने शब्द वापस लेते हुए सार्वजनिक रुप से माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि यदि माफी नहीं मांगी गई, तो आगामी चुनावों में राजस्थान की जनता बीजेपी को ऐसा सबक सिखाएगी कि उन्हें कहीं मुंह छुपाने की जगह नहीं मिलेगी। पायलट को बाहरी बताने के तर्क पर डॉ. यादव ने तीखा हमला करते हुए बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व पर सवाल खड़े किए। उन्होंने सवाल उठाया कि सचिन पायलट को बाहरी बताने वाली बीजेपी बताए कि क्या पीएम नरेंद्र मोदी बनारस में पैदा हुए थे? डॉ. यादव ने कहा कि बनारस से प्रधानमंत्री का क्या रिश्ता है, फिर भी वे वहां से सांसद हैं। उन्होंने बीजेपी को नसीहत दी कि वे अपने गिरेबान में झांककर देखें।

उत्तर प्रदेश, बिहार और उत्तराखंड में मुठभेड़, तीन दुर्दांत बदमाश ढेर, पुलिस चला रही रही ऑपरेशन प्रहार

नई दिल्ली (एजेंसी)। बुधवार आधी रात से लेकर गुरुवार सुबह तक उत्तर प्रदेश, बिहार और उत्तराखंड की पुलिस अपराधियों के लिए काल बनकर टूटी। अलग-अलग राज्यों में हुई जबरदस्त मुठभेड़ों में तीन इनामी और दुर्दांत अपराधियों को ढेर कर दिया गया है। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से अपराधियों में हड़कंप मच गया है। मुठभेड़ का सिलसिला उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर से शुरू हुआ। यहां पुलिस ने जिम में हुए ट्रिपल मर्डर केस के मुख्य आरोपी और 50 हजार के इनामी बदमाश जीतू सैनी को मार गिराया। खुर्जा नगर क्षेत्र में हुई इस मुठभेड़ के दौरान जीतू सैनी ने पुलिस पर फायरिंग की, जिसमें स्वाट टीम प्रभारी और एक हेड कांस्टेबल घायल हो गए। हालांकि, बुलेट प्रूफ जैकेट की वजह से खुर्जा कोतवाल और एक अन्य पुलिसकर्मी की जान बच गई। पुलिस के मुताबिक, जीतू ने पिछले दिनों एक जिम में घुसकर तीन लोगों की हत्या की थी। इस मामले में अब तक 11 आरोपी नामजद हैं, जिनमें से पांच पहले ही पकड़े जा चुके हैं। उत्तर प्रदेश के बाद बिहार में भी गोलियों की तड़तड़ाहट गूंजी। सीवान जिले में भाजपा नेता व पूर्व एमएलसी मनोज सिंह के भांजे हर्ष सिंह की हत्या के मुख्य आरोपी छोटू कुमार यादव को पुलिस ने मुठभेड़ में घायल कर दबोच लिया। गुरुवार सुबह करीब 3 बजे हुई इस कार्रवाई में आरोपी ने पुलिस पर गोली चलाई, जिसके जवाब में पुलिस ने भी फायरिंग की। आरोपी के पैर में गोली लगी है और उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। गौरतलब है कि बुधवार शाम गाड़ी सटने के मामूली विवाद में हर्ष सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वहीं, उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में भी पुलिस ने साहस का परिचय दिया। प्रेमनगर इलाके में एक प्रॉपर्टी डीलर से दो लाख रुपये और मोबाइल लूटकर भाग रहे बदमाशों को पुलिस ने घेरा, तो उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश मारा गया, जबकि अंधेरे का फायदा उठाकर दो फरार हो गए। इस मुठभेड़ में प्रेमनगर इंस्पेक्टर नरेश राठौर के हाथ में दो गोलियां लगी हैं। फिलहाल पुलिस फरार बदमाशों की तलाश में सघन कॉम्बिंग अभियान चला रही है। तीनों राज्यों में हुई इन कार्रवाइयों ने साफ कर दिया है कि कानून व्यवस्था को चुनौती देने वालों के खिलाफ अब जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जा रही है।

दशकों तक कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने महिला आरक्षण को ठंडे बस्ते में डाल रखा

भदौही पहुंचे राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने विरोधियों पर बोला हमला

भदौही (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने अपने पहले भदोही दौरे के दौरान विपक्ष की महिला विरोधी राजनीति पर जमकर हमला किया। अपने रोड शो के दौरान बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नबीन ने सीधे तौर पर सपा, कांग्रेस और टीएमसी को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि जो राजनैतिक पार्टियां दशकों तक महिला आरक्षण बिल को संसद में लटकाते और फाड़ते रहे, आज उन्हें नारी शक्ति का वंदन करने का कोई हक नहीं है।

वाराणसी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भव्य कार्यक्रम के बाद सीधे भदौही पहुंचे बीजेपी अध्यक्ष नबीन ने महिलाओं के सम्मान को आस्था से जोड़ा। भीड़ में उन्होंने कहा कि मैं उस आदि शक्ति माँ विंध्यवासिनी के चरणों में शीश नवाने जा रहा हूं, जिनसे यह पूरी सृष्टि संचालित होती है। माता विंध्यवासिनी गवाह हैं कि नारी है तब ही यह संसार है। जो लोग महिलाओं का अपमान करते हैं, वे दरअसल इस संसार के अस्तित्व को चुनौती दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि दशकों तक कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने महिला आरक्षण को ठंडे बस्ते में डाल रखा था। सदन में बिल की प्रतियां फाड़ने वाले लोग आज किस मुंह से महिलाओं की बात करते हैं? लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित कर दिखा दिया कि भाजपा कथनी में नहीं, करनी में विश्वास रखती है। बात दें कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नितिन नबीन का यह जनपद में पहला दौरा था, जिसे कार्यकर्ताओं ने यादगार बना दिया। औराई चौराहे पर स्वागत का आलम यह था कि सैकड़ों लोगों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष को गुलाब के फूलों की बारिश से नहला दिया, जिससे पूरा मार्ग फूलों की चादर से ढक गया। कार्यकर्ताओं के भारी हुजूम और गगनभेदी नारेबाजी के चलते अध्यक्ष का काफिला बमुश्किल आगे बढ़ा।

ऑस्ट्रेलिया से डिपोर्ट हुए 15 भारतीयों का जत्था दिल्ली हवाई अड्डे पर पहुँचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया से नियमों के उल्लंघन के आरोप में डिपोर्ट हुए 15 भारतीयों का जत्था दिल्ली हवाई अड्डे पर पहुँच गया है, जिसमें से 11 व्यक्ति पंजाब के विभिन्न जिलों से संबंधित हैं। इन सभी यात्रियों के दिल्ली पहुँचते ही सुरक्षा एजेंसियों और इमिग्रेशन अधिकारियों ने करीब पाँच घंटे तक गहन पूछताछ की, ताकि डिपोर्ट किए जाने के वास्तविक कारणों और उनकी गतिविधियों का पूरा ब्यौरा जुटा सके। पंजाब सरकार ने मामले को गंभीरता से लेकर अपने प्रतिनिधियों और विशेष वाहनों का दल दिल्ली भेजा है, ताकि इन लोगों को सुरक्षित उनके गृह जिलों तक पहुँचाया जा सके। इसके लिए एक टेंपो ट्रैवलर और अन्य गाड़ियों का प्रबंध हवाई अड्डे पर ही किया गया था। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, डिपोर्ट किए लोग जालंधर, होशियारपुर, खन्ना, मोगा, नवांशहर, गढ़शंकर, तरनतारन, फिरोजपुर और रूपनगर जैसे इलाकों के निवासी हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बताया कि इन नागरिकों ने ऑस्ट्रेलिया में प्रवास के दौरान वहां के स्थानीय नियमों का उल्लंघन किया था, जिसके परिणामस्वरूप ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने उन्हें वापस भारत भेजने का कठोर निर्णय लिया। वापस लौटे व्यक्तियों में जसवंत सिंह, अंग्रेज सिंह, सतिंदरजीत सिंह शेरगिल, गुरप्रीत सिंह संधू, जगजीत सिंह, जसप्रत सिंह, निर्मल सिंह, श्रुति शर्मा, रणजी सिंह, हरप्रीत सिंह और गगनदीप सिंह शामिल हैं, जिनकी उम्र 25 से 41 वर्ष के बीच है। यह घटनाक्रम पिछले साल अमेरिका द्वारा 104 अवैध प्रवासियों को डिपोर्ट किए जाने की याद दिलाता है, जिन्हें अमेरिकी वायुसेना के विमान से अमृतसर लाया गया था। अवैध इमिग्रेशन और विदेशी कानूनों की अनदेखी के कारण पंजाब के युवाओं का इस तरह डिपोर्ट होना एक चिंताजनक विषय बन गया है। फिलहाल, दिल्ली में औपचारिक कागजी कार्रवाई और वेरिफिकेशन प्रक्रिया पूरी होने के बाद इन सभी को पंजाब पुलिस और सरकारी टीम की निगरानी में उनके गंतव्य की ओर रवाना कर दिया गया है। राज्य सरकार अब इन मामलों के मूल कारणों की जांच कर रही है ताकि भविष्य में ऐसी स्थितियों को रोका जा सके।

केजरीवाल के बाद अब पाठक ने किया जस्टिस शर्मा के सामने पेश होने से इनकार

-पत्र में लिखा- वह सुनवाई के सिलसिले में केजरीवाल की जताई चिंताओं से सहमत

नई दिल्ली(एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के बाद पार्टी नेता दुर्गेश पाठक ने भी दिल्ली हाईकोर्ट में आबकारी 'घोटाला' मामले की सुनवाई में जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा के सामने पेश होने से इनकार कर दिया है। पाठक ने जस्टिस शर्मा को एक पत्र भेजा है, जिसमें उन्होंने लिखा है कि वह सुनवाई के सिलसिले में केजरीवाल की ओर से जताई गई चिंताओं से सहमत हैं। केजरीवाल ने जस्टिस शर्मा पर हितों के टकराव का आरोप लगाते हुए घोषणा की है कि वह आबकारी मामले की सुनवाई में व्यक्तिगत स्तर पर या किसी वकील के जरिए हिस्सा नहीं लेंगे। पाठक, सिसोदिया और केजरीवाल सीबीआई की ओर से दायर उस पुनर्विचार याचिका में पक्षकार हैं, जिसमें आबकारी नीति मामले में उन्हें आरोपमुक्त किए जाने के फैसले को चुनौती गई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पाठक ने पत्र में कहा कि यह पत्र उस पुनर्विचार याचिका के सिलसिले में है, जो वर्तमान में इस कोर्ट के समक्ष विचाराधीन है। पाठक ने लिखा कि उन्होंने केजरीवाल के 27 अप्रैल के पत्र को पढ़ने के बाद यह फैसला लिया, जिसमें सुनवाई में निष्पक्षता और पारदर्शिता की कमी को लेकर चिंता जताई गई थी। इसी के मद्देनजर उन्होंने भी वर्तमान सुनवाई में व्यक्तिगत रूप से या किसी वकील के जरिए हिस्सा न लेने का संकल्प लिया है। इस मामले में मेरी ओर से पेश वकालतनामा, यदि कोई हो तो, उसे विधिवत रूप से वापस लिया हुआ माना जाए।

पाठक ने कहा कि उनके पत्र कोर्ट के प्रति अनादर के संकेत के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने संविधान और न्यायपालिका में अपनी आस्था दोहराई। उन्होंने कहा कि मैं इस अवसर पर भारत के संविधान और इस देश की न्यायपालिका की संस्थागत अखंडता में अपनी अटूट आस्था रखता हूं। उन्होंने अनुरोध किया कि पत्र को रिकॉर्ड में लिया जाए और कोर्ट की ओर से उचित एवं न्यायसंगत समझे जाने वाले तरीके से सुनवाई की जाए।

इस बीच दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी ने सवाल उठाया कि केजरीवाल के चिंता जताने के बाद जस्टिस शर्मा ने खुद को आबकारी मामले की सुनवाई से अलग क्यों नहीं कर लिया। आतिशी ने दावा किया कि जस्टिस शर्मा ने हाल में अन्य मामलों में ऐसा किया था। उन्होंने पूछा कि मौजूदा मामले में ऐसा क्या अलग है कि सुनवाई से अलग होने पर विचार नहीं किया गया।

मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में हर वर्ग के कल्याण के लिए कार्यरत है हरियाणा सरकार : कृष्ण बेदी

सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्री कृष्ण बेदी ने फतेहाबाद में कोर्ट परिसर में किया लिफ्ट का शिलान्यास

कृष्ण बेदी ने कहा-बार एसोसिएशन की आवश्यकताओं को प्राथमिकता से किया जाएगा पूरा

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । हरियाणा सरकार में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण बेदी ने वीरवार को जिला बार एसोसिएशन परिसर में लिफ्ट का विधिवत शिलान्यास किया। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि अधिवक्ताओं एवं आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाना सरकार की प्राथमिकता है। लिफ्ट निर्माण से विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगजनों को बड़ी राहत मिलेगी। सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य है कि विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और हर क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं को मजबूत किया जाए। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि जिला बार एसोसिएशन की किसी भी प्रकार की जरूरत को पूरा करने में कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि भविष्य में भी बार को आवश्यक संसाधन उपलब्ध करवाए जाएंगे। बेदी ने कहा कि लिफ्ट का निर्माण कार्य तय समय सीमा में पूरा किया जाएगा, ताकि अधिवक्ताओं और आम नागरिकों को शीघ्र इसका लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि अधिवक्ता जरूरतमंद को न्याय दिलाने में अपनी सक्रिय भूमिका अदा करें और प्रभावी रूप से न्यायिक प्रणाली में अपना योगदान देते हुए कोर्ट केस में लंबित परिवादों का निपटान करवाएं।

अधिवक्ता एवं आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाना हरियाणा सरकार की प्राथमिकता

अधिवक्ता समाज न्याय व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा : पूर्व विधायक दुड़ाराम

हरियाणा सरकार में पूर्व संसदीय सचिव एवं फतेहाबाद के पूर्व विधायक दुड़ाराम ने कहा कि अधिवक्ता समाज न्याय व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है और उनकी सुविधाओं का ध्यान रखना हरियाणा सरकार की जिम्मेदारी है। पूर्व विधायक दुड़ाराम ने हरियाणा सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश के सभी मंत्री जनहित में निरंतर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ आम जनता तक पहुंच रहा है और विकास कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

लिफ्ट के शिलान्यास से कोर्ट परिसर में मिलेगी सुविधा :

एसोसिएशन में लिफ्ट के शिलान्यास से वकील सहित अन्य कोर्ट परिसर में आने वाले लोगों को बड़ी सुविधा मिलेगी और उनके कार्य में आसानी आएगी। हरियाणा सरकार लगातार विकास कार्यों को गति दे रही है, जिससे प्रदेश में नई ऊर्जा का संचार हुआ है। सूत्रों के अनुसार लिफ्ट के शिलान्यास से पहले ही राशि संबंधित खाते में डाल दी गई, जो कैबिनेट मंत्री की तत्परता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

यह रहे मौजूदः

इस अवसर पर बार एसोसिएशन प्रधान दिनेश गेरा, पुनीत भूटानी, सितेन्द्र कुमार, संदीप श्योराण, शम्मी कुमार, मार्केट कमेटी चेयरमैन जगदीश जाखड़ सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

केजरीवाल के शीशमहल-2 की तस्वीरें आई सामने, भाजपा के आरोपों को किया खारिज

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल हाल ही में अपने नए सरकारी आवास में शिफ्ट हुए हैं। उनके इस नए पते को लेकर राजनीतिक गलियारों में आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। जहां एक ओर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने केजरीवाल के इस नए बंगले को शीशमहल-2 करार देते हुए इसकी साज-सज्जा पर भारी खर्च के आरोप लगाए हैं, वहीं दूसरी ओर आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता सोमनाथ भारती ने केजरीवाल के साथ उनके आवास के भीतर की एक नई तस्वीर साझा कर इन दावों पर पलटवार किया है।

सोमनाथ भारती द्वारा सोशल मीडिया पर साझा की गई इस तस्वीर में केजरीवाल एक बेहद सामान्य कमरे में बैठे नजर आ रहे हैं। तस्वीर में दोनों नेता एक सोफे के पास खड़े हैं और सामने एक छोटी स्टूल पर डायरी व पेन रखा हुआ है। भारती ने इस तस्वीर के साथ लिखा कि वह अपने नेता की इस बात के प्रशंसक हैं कि वे हर विचार को तुरंत नोट करते हैं और उस पर काम शुरू कर देते हैं। उन्होंने एक दिलचस्प टिप्पणी करते हुए यह भी कहा कि केजरीवाल को आवंटित होने वाला हर नया घर प्रधानमंत्री आवास के और करीब होता जा रहा है, जो भविष्य के राजनीतिक संकेतों की ओर इशारा करता है। आम आदमी पार्टी ने इन आरोपों का कड़ा खंडन किया है। पार्टी की मुख्य प्रवक्ता ने भाजपा द्वारा दिखाई गई तस्वीरों को इंटरनेट से डाउनलोड की गई फर्जी तस्वीरें बताया है। आप ने पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा झूठ और भ्रम फैलाकर जनता को गुमराह कर रही है। सोमनाथ भारती द्वारा साझा की गई नई तस्वीर को पार्टी ने यह दिखाने के प्रयास के तौर पर पेश किया है कि केजरीवाल का जीवन और आवास साधारण है। फिलहाल, इस नए आवास को लेकर दिल्ली की राजनीति में जुबानी जंग तेज हो गई है। केजरीवाल अब 95, लोधी एस्टेट स्थित टाइप-7 सरकारी बंगले में रह रहे हैं, जो उन्हें एक राष्ट्रीय पार्टी के अध्यक्ष होने के नाते केंद्र सरकार द्वारा आवंटित किया गया है। भाजपा ने इस बंगले की विलासिता को लेकर हमला बोला है। भाजपा नेताओं ने दावा किया कि इस घर में सुविधाओं के लिए निजी धन खर्च किया गया है और इसकी साज-सज्जा किसी आम आदमी की नहीं बल्कि उच्चवर्गीय व्यक्ति की पसंद है। उन्होंने कुछ फर्नीचर की तस्वीरें साझा कर इसे शीशमहल के पुराने विवाद से जोड़ने की कोशिश की।

पुरी जगन्नाथ मंदिर में लागू होगा सख्त ड्रेस कोड

जींस-पैंट पहनकर महिलाओं के प्रवेश पर लग सकती है रोक

पुरी (एजेंसी)। दक्षिण भारत के प्रसिद्ध मंदिरों की तर्ज पर अब ओडिशा के विश्वप्रसिद्ध 12वीं शताब्दी के श्री जगन्नाथ मंदिर में भी श्रद्धालुओं के लिए औपचारिक पोशाक नियम (ड्रेस कोड) लागू करने की तैयारी तेज हो गई है। ओडिशा राज्य विधि आयोग ने राज्य सरकार को सिफारिश भेजी है कि मंदिर की पवित्रता और हिंदू सांस्कृतिक परंपराओं को बनाए रखने के लिए एक विशिष्ट ड्रेस कोड को कानूनी रूप दिया जाए। इस सिफारिश में विशेष रूप से महिलाओं के जींस, पैंट या शर्ट पहनकर मंदिर में प्रवेश करने पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव दिया गया है।

न्यायमूर्ति विश्वनाथ रथ की अध्यक्षता वाली विधि समिति ने सुझाव दिया है कि श्री जगन्नाथ मंदिर अधिनियम में संशोधन कर पोशाक संहिता की स्पष्ट परिभाषा जोड़ी जानी चाहिए। आयोग के अनुसार, मंदिर में प्रवेश करने वाले श्रद्धालुओं का पहनावा हिंदू संस्कृति के अनुरूप होना चाहिए। प्रस्तावित नियमों के तहत, पुरुष तीर्थयात्रियों के लिए धोती-कुर्ता, पैंट-कमीज, चूड़ीदार-पजामा या कंधे पर गमछा रखना निर्धारित किया गया है। वहीं, 10 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं के लिए साड़ी-ब्लाउज या सलवार-कमीज अनिवार्य करने का सुझाव है। 10 वर्ष से कम आयु की लड़कियां फ्रॉक या गाउन पहन सकेंगी, लेकिन महिलाओं के लिए पश्चिमी परिधानों जैसे जींस और शर्ट पर पूरी तरह रोक की सिफारिश की गई है।

हालांकि, मंदिर प्रशासन ने 1 जनवरी 2024 से ही हाफ पैंट, फटी जींस और बिना आस्तीन के कपड़ों पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश की थी, लेकिन कानूनी प्रावधानों की कमी के कारण इसे प्रभावी ढंग से लागू नहीं किया जा सका। शोधकर्ताओं का मानना है कि अधिनियम में संशोधन होने से मंदिर की मर्यादा और आध्यात्मिक वातावरण को बल मिलेगा। पूर्व मंदिर प्रशासक प्रदीप दास के अनुसार, शालीन वस्त्र केवल दिखावा नहीं, बल्कि भक्त के भीतर विनम्रता और शांति का भाव जागृत करते हैं, जिससे वे आध्यात्मिक रूप से अधिक जुड़ाव महसूस करते हैं। दूसरी ओर, कुछ विद्वानों का मत है कि इस नियम को बदलते सामाजिक परिवेश और विदेशी पर्यटकों की जरूरतों को देखते हुए संवेदनशीलता के साथ लागू किया जाना चाहिए। मंदिर प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि उनका उद्देश्य किसी को रोकना नहीं, बल्कि मंदिर की गरिमा बनाए रखना है। वर्तमान में राज्य का विधि विभाग इन सिफारिशों पर सक्रिय रूप से विचार कर रहा है। यदि इसे मंजूरी मिलती है, तो पुरी आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं के लिए यह एक बड़ा बदलाव होगा।

विजय क्या केजरीवाल जैसी सफलता हासिल करेंगे या प्रशांत की तरह होगा हश्र?

तमिलनाडु विधानसभा के एग्जिट पोल के नतीजों ने छेड़ दी राजनैतिक बहस

नई दिल्ली(एजेंसी)। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 के एग्जिट पोल के नतीजे सामने आ गए हैं। इन अनुमानों ने तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) को लेकर सबसे दिलचस्प सवाल खड़ा हो गया है कि क्या विजय थलपति दिल्ली में अरविंद केजरीवाल जैसी बड़ी सफलता हासिल करने वाले हैं या फिर उनका हश्र प्रशांत किशोर के बिहार प्रयोग जैसा होगा। इसका जवाब, कम से कम आज के लिए इस बात पर निर्भर करता है कि कोई किस एग्जिट पोल पर भरोसा कर रहा है। ज्यादातर अनुमान टीवीके को 10-24 सीटें मिलने का लगा रहे हैं, जो कि एक शानदार शुरुआत है।

ज्यादातर एक्जिट पोलों के मुताबिक विजय की पार्टी मुख्य दावेदार होने के बजाय खेल बिगाड़ने की भूमिका में हो सकती है। कुछ पोलों ने टीवीके के लिए 10-12 सीटों का अनुमान लगाया है, जबकि पीपुल्स प्लस इसे 18-24 सीटों के साथ ज्यादा मजबूत स्थिति में बता रहा है। एग्जिट पोल्स के नतीजे बता रहे हैं कि शहरी और युवा वोटरों के बीच विजय की पार्टी की अच्छी पकड़ है। इस स्थिति में विजय की पार्टी मौजूदा सरकार के खिलाफ पड़ने वाले वोटों को बांट सकती है, जिससे परोक्ष रूप से डीएमके को फायदा हो सकता है, लेकिन एक ऐसा अनुमान भी सामने आया जो सबसे अलग है। एक्सिस माय इंडिया ने टीवीके की सीटों में जबरदस्त उछाल का अनुमान लगाया है, जिसके मुताबिक विजय की पार्टी को 98-120 सीटें मिल सकती हैं। अगर 4 मई को ये आंकड़े सच साबित होते हैं, तो विजय रातों-रात तमिलनाडु की राजनीति के केंद्र में आ जाएंगे। ऐसा होने पर विजय, केजरीवाल की लीग में शामिल हो जाएंगे। एक ऐसा नया चेहरा जो न सिर्फ अपनी जगह बनाता है, बल्कि राज्य की राजनीति का केंद्र बन जाता है और विजय के पास अपनी सुपरस्टार थलाइवर वाली छवि भी है। एक ऐसी चीज जो तमिलनाडु में सालों से काम करती आई है, जैसा कि एमजी रामचंद्रन और जे जयललिता के उभार के समय देखा गया था।

हालांकि 2013 के दिल्ली चुनाव के विपरीत जहां केजरीवाल सिर्फ भ्रष्टाचार-विरोधी लहर के सहारे आगे बढ़े थे तमिलनाडु का चुनावी मुकाबला काफी पेचीदा है, यह द्रविड़ राजनीति, मजबूत पार्टी तंत्र और दशकों पुरानी मतदाताओं की वफादारी में गहराई से जुड़ा हुआ है। टीवीके का अच्छा प्रदर्शन भी सत्ता नहीं दिला सकता, जब तक कि वह अपनी लोकप्रियता को बूथ-स्तर तक न पहुंचा दे। एक ऐसा क्षेत्र जहां डीएमके और अन्नाद्रमुक जैसे स्थापित खिलाड़ियों को स्पष्ट बढ़त हासिल है।

अगर टीवीके का प्रदर्शन अनुमानों के निचले दायरे में ही रहता है, तो भी वह सत्ता के लिए तत्काल चुनौती पेश किए बिना, वोटों के हिस्से और भविष्य के गठबंधनों को बदलने में कामयाब हो सकता है। तो क्या विजय अगले ऐसे बाहरी नेता हैं जो अपनी लहर को जनादेश में बदल सकते हैं, जैसा कि कभी केजरीवाल ने किया था? या फिर वह भी किशोर की शुरुआती राजनीतिक कोशिशों की तरह कोई खास असर छोड़ने में नाकाम रहेंगे? इस सवाल का जवाब तो 4 मई को ही साफ हो पाएगा।

आईपीएल में आज होगा राजस्थान रॉयल्स और दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स की टीम शुक्रवार को आईपीएल के 43 वें मैच में अपने घरेलू मैदान पर दिल्ली के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेगी। अब तक के प्रदर्शन को देखा जाये तो रॉयल्य जीत की प्रबल दावेदार है। उसने अब तक 6 मैच जीते हैं और 12 अंक लेकर वह तालिका में तीसरे स्थान पर है और उसका लक्ष्य इस मैच को जीतकर प्लेऑफ के लिए अपनी दावेदारी और पक्की करना रहेगा। पिछले मैच में उसने बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए पंजाब किंग्स को हराया था जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। उन्होंने जोरदार वापसी की है। कप्तान रियान पराग की राजस्थान के पास वैभव सूर्यवंशी , यशस्वी जायसवाल जैसे बल्लेबाज, वहीं जोफा आर्चर जैसे तेज गेंदबाज और स्पिनर के तौर पर रविन्द्र जडेजा हैं1

वहीं दूसरी और अक्षर पटेल की कप्तानी में उतरी दिल्ली कैपिटल्स ने अब तक केवल 3 मैच जीते हैं और उसके 6 अंक हैं इससे वह अंक तालिका में सातवें स्थान पर है। पिछले मैच में वह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ केवल 75 रन पर ही सिमट गयी थी। जिससे उसके बल्लेबाज इस मैच में भी दबाव में होंगे। उसकी ओर से अब तक केवल केएल राहुल ही बड़ी पारियों खेल पाये हैं। वहीं अन्य बल्लेबाजों डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स और समीर रिजवी के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही है।

उसके लिए राहत की बात केवल इतनी सी है कि तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क फिट हो गये हैं और वह वापसी के लिए तैयार हैं। स्टार्क अगर खेलते हैं तो दिल्ली की गेंदबाजी मजबूत होगी। इसके अलावा वह लुंगी एनगिडी एंटीगिटी के नहीं खेलने से होने वाली कमी भी भर देंगे। एंटीगिटी चोटिल होने के कारण इस मैच में नहीं खेलेंगे।

आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो टीमों के बीच 29 मैच हुए हैं इसमें से राजस्थान ने 15 जबकि दिल्ली ने 14 जीते हैं।

टीम इस प्रकार है

राजस्थान रॉयल्स: रियान पराग (कप्तान), शिमरोन हेटमायर, यशस्वी जयसवाल, ध्रुव जुरेल, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, वैभव सूर्यवंशी, डोनोवन फरेरा, रविंद्र जडेजा, जोफा आर्चर, नांद्रे बर्गर, तुषार देशपांडे, क्वेना मफाका, संदीप शर्मा, युद्धवीर सिंह चरक, रवि बिश्नोई, अमन राव पेराला, एडम मिल्ने, कुलदीप सेन, दासुन शनाका, सुशांत मिश्रा, विग्नेश मिश्रा पुथुर, रवि सिंह, ब्रिजेश शर्मा, शुभम दुबे, ।

दिल्ली कैपिटल्स: अक्षर पटेल (कप्तान), लोकेश राहुल, करुण नायर, डेविड मिलर, पथुम निसांका, साहिल पारख, पृथ्वी साव, अभिषेक पोरेल, ट्रिस्टन स्टब्स, समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, विपराज निगम, अजय मंडल, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी, आकिब डार, नितीश राणा, टी. नटराजन, मुकेश कुमार, दुष्मंता चमीरा, काइल जैमीसन, कुलदीप यादव और मिचेल स्टार्क।

अभिषेक ऑरेंज कैप और ईशान मलिंगा पर्पल कैप की सूची में शीर्ष पर पहुंचे

मुम्बई (एजेंसी)। मुम्बई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच हुए आईपीएल मुकाबले के बाद एक बार फिर ऑरेंज और पर्पल कैप की सूची में बदलाव आया है। अब एक बार फिर सनराइजर्स के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की सूची में नंबर एक आ गये हैं। वहीं राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी तीसरे नंबर पर खिसक गये हैं। अभिषेक ने मुम्बई के खिलाफ मैच में 24 गेंदों में 45 रन बनाये। इससे अब उनके कुल 425 रन हो गये हैं। वहीं सनराइजर्स के ही हेरनिक क्लासेन 414 रनों के साथ ही दूसरे और राजस्थान के वैभव 400 रन के साथ तीसरे स्थान पर हैं। केएल राहुल चौथे और विराट कोहली पांचवे नंबर पर हैं।

वहीं दूसरी और सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाले पर्पल कैप के लिए सनराइर्स के ईशान मलिंगा नंबर एक पर पहुंच गये हैं। ईशान ने अब तक 15 विकेट लिए हैं। मुम्बई इंडियंस के खिलाफ ईशान ने एक विकेट लिया था। वहीं आरसीबी के भुवनेश्वर कुमार, रॉयल्स के जोफा आर्चर और चेन्नई सुपर किंग्स के अंशुल कम्बोज तीनो ही 14-14 विकेट के साथ ही दूसरे तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। हहैं। इसके बाद 13 विकेट के साथ लखनऊ सुपर जायंट्स के प्रिंस यादव 13 विकेट के साथ ही पांचवे नंबर पर हैं।

केविन पीटरसन की दक्षिण अफ्रीका को अपील, 2027 विश्व कप के लिए इस प्लेयर को रिटायरमेंट वापस लेने के लिए मनाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन ने दक्षिण अफ्रीकी टीम मैनेजमेंट से अपील की है कि वे अपने घरेलू मैदान पर ICC क्रिकेट वर्ल्ड कप 2027 का खिताब जीतने की कोशिश में हेनरिक क्लासेन को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से रिटायरमेंट वापस लेने के लिए मनाएं। क्लासेन ने पिछले साल जून में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से रिटायरमेंट ले लिया था। वह मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) सीजन में सनराइजर्स हैदराबाद (SRH) के साथ शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। अब तक वह इस सीजन में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 9 पारियों में 59.14 की औसत और 157.41 के स्ट्राइक रेट से 414 रन बनाए हैं, जिसमें 4 अर्धशतक शामिल हैं।

गुरुवार को X पर लिखते हुए पीटर्सन ने कहा, 'दक्षिण अफ्रीका ने कभी क्रिकेट वर्ल्ड कप नहीं जीता है! आज सुबह दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट बोर्ड की तरफ से हेनरिक क्लासेन को एक फोन कॉल जाना चाहिए, जिसमें उनसे पूछा जाए कि क्या वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी कर सकते हैं और अपना पहला वर्ल्ड कप जीतने के अभियान में एक अहम भूमिका निभा सकते हैं, जो अगले साल दक्षिण अफ्रीका में ही होगा।'

क्लासेन का अंतरराष्ट्रीय रिटायरमेंट वापस लेना, हालांकि यह पूरी तरह से उन्हीं पर निर्भर करता है, लेकिन यह पूरी तरह से असंभव भी नहीं है; क्योंकि पिछले साल विकेटकीपर-बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक ने भी इस साल के टी20 वर्ल्ड कप 2026 और 2027 के घरेलू वर्ल्ड कप में खेलने के लिए व्हाइट-बॉल क्रिकेट से अपना रिटायरमेंट वापस ले लिया था और तब से उन्होंने कुछ बेहतरीन प्रदर्शन किए हैं।

क्लासेन ने 2018-25 तक फैले अपने सात साल के अंतरराष्ट्रीय करियर में 122 मैचों में 32.45 की औसत और 117.40 के स्ट्राइक रेट से 3,245 रन बनाए, जिसमें चार शतक, 16 अर्धशतक और 174 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल है। हालांकि उनका टेस्ट करियर छोटा रहा जिसमें उन्होंने 4 मैचों में सिर्फ़ 104 रन बनाए लेकिन क्लासेन प्रोटियाज के लिए एक मूल्यवान व्हाइट-बॉल क्रिकेटर साबित हुए। उन्होंने 60 वनडे मैचों में 43.69 की औसत और 117 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 2141 रन बनाए। इसमें चार शतक और 11 अर्धशतक शामिल हैं और 56 पारियों में उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 174 रन रहा। टी20आई में उन्होंने 58 मैचों की 53 पारियों में 23.25 की औसत और 141 से ज़्यादा के स्ट्राइक रेट से 1,000 रन बनाए। इसमें पांच अर्धशतक शामिल हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 81 रन रहा।

मुम्बई को प्लेऑफ के लिए जीतने होंगे कम से कम पांच मैच

मुम्बई (एजेंसी)। मुम्बई इंडियंस आईपीएल के 19 में सत्र में अबतक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पायी है और उसे 8 में से 6 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। इससे मुम्बई के प्लेऑफ में पहुंचने की संभावनाएं काफी कम हो गयी हैं हालांकि ये समाप्त नहीं हुई है। प्लेऑफ के लिए अब मुम्बई को बचे हुए सभी 6 मैच जीतने होंगे। इसमें अगर वह सफल रही तो उसे उसके 16 अंक हो जाएंगे और उसके लिए प्लेऑफ की राह खुली रहेगी। अभी टीम 4 अंक के साथ ही 9वें स्थान पर है। टीम को लीग स्तर पर अभी 6 मैच और खेलने है। उसका रेट में भी काफी कम है जिससे

भी उसे नुकसान हुआ है। उसे इस सत्र में प्लेऑफ के लिए अब कम से कम 14 अंकों की जरूरत है। इसके अलावा उसे अपने रनरेट में भी सुधार करना होगा।

ऐसे में टीम अगर शेष 6 मैचों में से 5 भी जीतती है तो भी उसे प्लेऑफ की संभावनाएं बनी रहेंगी। वहीं अगर वह केवल 4 मैच जीतती है और दो में हारती है तो बाहर हो जाएगी। इस सत्र में अब तक जिस प्रकार से मुम्बई का प्रदर्शन रहा है उससे उसके लगातार मैच जीतने की संभावनाएं कम ही हैं। गत दिवस हुए मैच में उसे 243 रनों का बड़ा स्कोर बनाने के बाद भी सनराइजर्स हैदराबाद के हाथों हार झेलनी पड़ी। टीम की हार का कारण बल्लेबाजों और गेंदबाजों के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी है। जिससे टीम नीचे आयी है।

वैभव के पास दिल्ली कैपिल्स के खिलाफ मुकाबले में पोलार्ड का रिकार्ड तोड़ने का अवसर

मुम्बई (एजेंसी)। राजस्थान रायल्स की टीम अब एक मई शुक्रवार को दिल्ली कैपल्स से जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेलेगी। इस मैच में सभी की नजरें राजस्थान के उभरते बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी पर रहेंगी। वैभव इस मैच में सबसे तेज 100 छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बन सकते हैं। इसके लिए उन्हें केवल एक छक्के की जरुरत है। अगर वैभव इसमें सफल रहे तो वह किरोन पोलार्ड का सबसे तेज 100 छक्के लगाने का रिकार्ड तोड़ देंगे। पंजाब किंग्स के खिलाफ हुए मैच में वैभव ने पांच छक्के लगाये थे। इन पांच छक्कों के साथ ही

उनके अब टी20 की 27 पारियों में कुल 99 छक्के हो गए हैं। टी20 में सबसे तेज 100 छक्के लगाने का विश्व रिकॉर्ड अभी पोलार्ड के नाम है। उन्होंने 843 गेंद में यह उपलब्धि हासिल की थी। वहीं सूर्यवंशी ने अब तक 511 गेंदें ही खेली हैं। ऐसे में उनका नंबर एक पर आना तय है।

वैभव ने आईपीएल सत्र की शुरुआत साल 2025 में की थी। तब वह केवल 14 साल की उम्र में खेलने उतरे थे। इस प्रकार वह सबसे कम उम्र में डेब्यू करने वाले खिलाड़ी बने थे। तब उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ खेलते हुए पहली ही गेंद पर छक्का लगाया था। वहीं इस सत्र में उन्होंने जसप्रीत बुमराह और पैट कमिंस जैसे गेंददाजों पर भी छक्के लगाये हैं। इसके अलावा जोश हेजलवुड, अर्शदीप सिंह सहित कई गेंदबाज भी वैभव से बच नहीं पाये हैं।

वैभव ने इस सत्र में साकिब हुसैन की गेंद पर छक्का लगाकर सिर्फ 36 गेंद में अपना शतक पूरा किया था। ये लीग का तीसरा सबसे तेज शतक रहा है। उन्होंने पिछले साल गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 गेंद में ही शतक लगा दिया था। वहीं क्रिस गेल के नाम आईपीएल इतिहास में सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड है। उन्होंने 30 गेंद में 100 रन बनाए थे। वैभव टी20 में सबसे कम उम्र में 1000 रन बनाने वाले खिलाड़ी भी हैं।

बीसीसीआई ने रियान पराग पर ई-सिगरेट सेवन के लिए जुर्माना लगाया

मुम्बई । राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग को इलेक्ट्रानिक सिगरेट (वेप्स) का सेवन करना भारी पड़ा है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इससे आचारसंहित का उल्लंघन मानते हुए 'स्मोकिंग एक्ट के तहत ही पराग पर मैच फीस का 25 फीसदी जुर्माना लगाया है। इसके अलावा उनके खाते में एक नकारात्मक अंक भी जोड़ा गया है। इससे पहले बोर्ड ने उन्हें नोटिस भेजा था। उन पर खिलाड़ी आचार संहित के नियम 2.1 के तहत लेवल 1 का अपराध लगाया गया है। जो आचारसंहित का के पालन से जुड़ा है। पराग को पंजाब किंग्स के खिलाफ आईपीएल मैच के दौरान ड्रेसिंग रूम के अंदर स्मोकिंग करते हुए देखा गया था। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इसके बाद से ही वह आलोचना का शिकार हो रहे थे। वहीं बोर्ड और राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन के सूत्रों के अनुसार पराग को गुरुवार सुबह नोटिस दिया गया था। पराग ने इस मामले में जुर्माना भरना स्वीकार कर लिया है। ऐसे में अब इस मामले में आगे कार्रवाई नहीं होगी। ये दूसरी बार है जब रॉयल्स विवादों में आई है। इससे पहले टीम मैनेजर को भी डगआउट में मोबाइल का प्रयोग करते देखा गया था।

38 के हुए रोहित को जन्मदिन पर मिली बधाई

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहत शर्मा आज 38 साल के हो गये। जन्मदिन पर रोहित को साथी क्रिकेटरों के साथ ही प्रशंसकों ने भी बधाई दी है। रोहित ने अपना 38वां जन्मदिन जयपुर के होटल में अपने परिवार और मुंबई इंडियंस (एमआई) के साथियों के साथ मनाया। रोहित ने अपने करियर में कई सफलताएं हासिल की हैं। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने चैम्पियसं ट्रॉफी और टी20 विश्कप जीत है। मैदान पर छाये रहने वाले रोहित ने अपने क्रिकेटिंग करियर में कई रिकॉर्ड बनाए हैं। खेल के साथ ही वह धन कमाने में भी पीछे नहीं रहे हैं। रोहित भारतीय क्रिकेट के सबसे धनी खिलाड़ियों में से एक हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, उनकी कुल नेटवर्थ 233 करोड़ रुपये के करीब है। आजकल वह केवल एकदिवसीय प्रारुप में ही खेलते हैं पर उनकी लोकप्रियता में कमी नहीं आई है। उनकी आय का मुख्य स्रोत बीसीसीआई का केन्द्रीय अनुबंध, इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से मिलने वाली मोटी रकम और कई बड़े ब्रांड से जुड़े होना है। रोहित लंबे समय तक बीसीसीआई के केन्द्रीय अनुबंध में शीर्ष पर रहे हैं। उन्हें आईपीएल सीजन में उन्हें सालाना 16.30 करोड़ रुपये मिलते हैं। उन्होंने अब तक सिर्फ आईपीएल से ही 195 करोड़ रुपये कमाए हैं। इसके अलावा वह 25 से अधिक बड़े ब्रांड्स के लिए वे एंडोर्समेंट करते हैं। उनका मुंबई के पॉश वरली इलाके में एक घर है। उनके पास लग्जरी और स्पोर्ट्स कारें भी है। इसमें पसंदीदा लेम्बोर्गिनी उरुस के साथ ही मर्सिडीज-बेंज एस-क्लास, बीएमडब्ल्यू एम-5, रेंज रोवर, टोयोटा फॉर्च्यूनर और टेस्ला मॉडल वाई जैसी शानदार गाड़ियां शामिल हैं।

आईपीएल में बड़े स्कोर वाले मुकाबलों को मुरलीधरन ने खेल की जरुरत बताया, पिच पर भी उठे सवाल

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में बल्लेबाजों का दबदबा जारी है, जहां लगातार बड़े स्कोर बन रहे हैं और असंभव दिखने वाले लक्ष्य भी आसानी से हासिल किए जा रहे हैं उससे कई सवाल भी उठा रहे हैं। सनराइजर्स हैदराबाद ने हाल ही में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 244 रनों का विशाल लक्ष्य जिस सहजता से पीछा किया, उसने एक बार फिर बल्लेबाजों के अनुकूल पिचों पर बहस छेड़ दी है। इस मुकाबले में जसप्रीत बुमराह जैसे विश्व स्तरीय गेंदबाज का भी महंगा साबित होना चिंता का विषय बन गया है, जिससे यह सवाल उठ रहा है कि क्या खेल में गेंदबाजों के लिए कुछ बचा है या नहीं।

वहीं इस मुद्दे पर सनराइजर्स हैदराबाद के गेंदबाजी कोच मुथैया मुरलीधरन ने कहा है कि अगर संतुलित विकेट मुहैया कराए जाएंगे, तो दर्शकों के लिए मैच मजेदार नहीं

होंगे। मुरलीधरन के अनुसार, टी20 क्रिकेट की पहचान ही चौके-छक्के हैं और प्रशंसक यही देखना चाहते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि आईपीएल एक बहुत बड़ा बिजनेस है और यदि मैचों में बड़े स्कोर नहीं बनेंगे, तो स्वाभाविक रूप से दर्शकों और प्रायोजकों दोनों की इसमें रुचि कम होने लगेगी, जिसका सीधा असर लीग की लोकप्रियता और वित्तीय स्थिति पर पड़ेगा।

मुरलीधरन ने बाउंड्री लाइन बढ़ाने जैसे सुझावों को भी खारिज करते हुए कहा कि इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा। उनका मानना है कि जब बल्लेबाज बिना किसी डर के खुलकर आक्रामक तरीके से बल्लेबाजी करते हैं, तो गेंदबाजों के लिए उन्हें रोकना या रनों पर अंकुश लगाना बेहद मुश्किल हो जाता है। पूर्व दिग्गज स्पिनर ने यह भी दावा किया कि आक्रामक बल्लेबाजी का यह ट्रेंड सनराइजर्स हैदराबाद ने ही सबसे पहले शुरू किया था, जिसे अब बाकी टीमें भी अपना रही हैं।

मुरलीधरन ने बताया कि खेल में आए इस बदलाव का सबसे बड़ा प्रमाण पावरप्ले में बनने वाले रनों में देखी जा सकती है। जहां पहले पावरप्ले में 40-50 रन को एक अच्छा स्कोर माना जाता था, वहीं अब यह आंकड़ा बढ़कर 70-80 रन तक पहुंच गया है। आज के बल्लेबाज विकेट खोने की चिंता किए बिना सिर्फ रन बनाने पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जिससे गेंदबाजों पर दबाव कई गुना बढ़ जाता है।

चैंपियंस लीग फुटबॉल में एटलेटिको और आर्सेनल के बीच मुकाबला 1-1 से बराबरी पर रहा

मैड्रिड । एटलेटिको मैड्रिड और आर्सेनल के बीच यूईएफए चैंपियंस लीग फुटबॉल 2026 में पहला लेग 1-1 से ड्रा रहा। स्पेन के मेट्रोपोलिटानो स्टेडियम में खेला गया यह मैच पेनल्टी और वीडियो असिस्टेंट रेफरी (वीएआर) के फैसलों के कारण विवादों में रहा, जिसने अंतिम टिकट कटाने के लिए लंदन में होने वाले अगले सप्ताह के दूसरे लेग को और भी अम बना दिया है। आर्सेनल के लिए यह ड्रॉ थोड़ा निराशाजनक रहा, क्योंकि वीएआर के देर से आने के कारण उन्हें दूसरे पेनल्टी का अवसर नहीं मिला। इस मुकाबले में दोनो ही टीमें शुरुआत से ही सतर्क नजर आईं, किसी भी गलती से बचने के प्रयास करती रहीं। एटलेटिको ने अपने घरेलू मैदान पर अच्छी शुरुआत की। पहला हाफ समाप्त होने से ठीक पहले, आर्सेनल को बढ़त मिली। । बॉक्स के अंदर विक्टर ग्योकेरेस को डेविड हैंको द्वारा धक्का दिए जाने के बाद रेफरी ने उसे पेनल्टी दी जिसे ग्योकेरेस ने गोल में बदलकर आर्सेनल को 1-0 कीबढ़त दिला दी। वहीं दूसरे हाफ की शुरुआत में ही एटलेटिको मैड्रिड ने अच्छी वापसी की। 56वें मिनट में, बेन व्हाइट के हैंडबॉल के बाद एटलेटिको को पेनल्टी मिली जिसे गोल में बदलने में जूलियन अल्वारेज ने कोई गलती नहीं की और स्कोर 1-1 पर पहुंचा दिया। 78वें मिनट में फाउल के कारण आर्सेनल को एक और पेनल्टी मिलने की उम्मीद थी पर वीएकआरे ने रेफरी के शुरुआती फैसले को पलट दिया, जिससे आर्सेनल को निराशा हुई। इसके बाद दोनो ही टीमों ने कई प्रयास किये पर वे गोल नहीं कर पायीं। दोनों टीमें अब अगले सप्ताह लंदन में होने वाले दूसरे लेग में उतरेंगी।

मार्टा ने नोस्कोवा को हराकर मैड्रिड ओपन सेमीफाइनल में जगह बनायी

मैड्रिड। यूक्रेन की महिला टेनिस खिलाड़ी मार्टा कोस्त्युक मैड्रिड ओपन में अच्छे प्रदर्शन के साथ ही अपने करियर के दूसरे डब्ल्यूटीए 1000 सेमीफाइनल में जगह बनायी है। मार्टा ने क्वार्टरफाइनल मुकाबले में चेक गणराज्य की 13वीं वरीयता प्राप्त लिंडा नोस्कोवा को सीधे सेटों में 7-6(1), 6-0 से हराया। अब फाइनल में जगह बनाने के लिए मार्टा की टक्कर अनास्तासिया पोटापोवा से होगी।पहले सेट में मार्टा और नोस्कोवा दोनों खिलाड़ियों को ही कड़ा संघर्ष करना पड़ा। मार्टा ने निर्णायक टाई-ब्रेक में 7-1 से जीत हासिल कर ली। वहीं दूसरे सेट में मार्टा हावी रहीं। उन्होंने यह सेट 6-0 से जीतकर मैच अपने नाम कर लिया। वहीं अनास्तासिया पोटापोवा और मार्टा का डब्ल्यूटीए टूर पर रिकॉर्ड 2-2 का है पर उन्होंने अपने पिछले दो मुकाबले सीधे सेटों में जीते हैं, जिसमें पिछले साल मैड्रिड में हुआ मैच भी शामिल है। वहीं दूसरे सेमीफाइनल में मीरा एंड्रीवा और हैली बैप्टिस्ट के बीच मुकाबला होगा। मार्टा के लिए यह सत्र विशेष रहा है। मैड्रिड में वह एक भी सेट नहीं हारी हैं। वहीं राउंड ऑफ 32 में उसे जेसिका पेगुला पर बड़ी जीत मिली। है। जीत के बाद मार्टा उत्साहित होते हुए कहा कि यह अविश्वसनीय लगता है।

थॉमस कप फाइनल्स : क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे से भिड़ेगा भारत

होर्सेंस (डेनमार्क) (एजेंसी)। भारत थॉमस कप फाइनल्स के क्वार्टर फाइनल में शुक्रवार को चीनी ताइपे की मजबूत टीम से भिड़ेगा और इस मुकाबले को जीतकर अपने दूसरे खिताब की ओर बढ़ने की कोशिश करेगा। भारत ने चार साल पहले अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल करते हुए थॉमस कप का खिताब जीता था जो बैडमिंटन की विश्व टीम चैंपियनशिप है। इस बार भारत ग्रुप ए में दूसरे स्थान पर रहकर क्वार्टर फाइनल में पहुंचा है और उसका सामना चीनी ताइपे से होगा जिसने अब तक यह टूर्नामेंट नहीं जीता है।

भारत ने अपने अभियान की शुरुआत जोरदार तरीके से करते हुए कनाडा को 4-1 से हराया। टीम ने इसके बाद ऑस्ट्रेलिया का 5-0 से शिकस्त दी लेकिन चीन को कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद उसे 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। चीनी ताइपे की टीम काफी मजबूत नजर आ रही है जिसकी अगुवाई दुनिया के नंबर

छठे नंबर के एकल खिलाड़ी चोउ टिएन चेन कर रहे हैं। उनके साथ दुनिया के आठवें नंबर के खिलाड़ी और मौजूदा ऑल इंग्लैंड चैंपियन लिन चुन-यी और दुनिया के 21वें नंबर के खिलाड़ी ची यू जेन टीम की एकल चुनौती को बेहद मजबूत बनाते हैं।

युगल में ताइपे के पास चिउ सियांग चीह और वांग ची-लिन की दुनिया की 14वें तथा ली झे-हुई और यांग पो-सुआन की दुनिया की नंबर 16वें नंबर की जोड़ी है। दूसरी ओर भारत की टीम काफी अच्छी लय में नजर आ रही है। उसके एकल और युगल दोनों ही खिलाड़ी शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। युवा खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप की अपनी बेहतरीन लय को यहां भी बरकरार रखा है। उस चैंपियनशिप में वह उपविजेता रहे थे। यहां उन्होंने अपने तीनों मैच जीते हैं।

भारत के दो अनुभवी खिलाड़ियों एचएस प्रणय और किदांबी श्रीकांत ने तीसरे एकल मुकाबले की जिम्मेदारी आपस में बांटी है। बुधवार को खेले गए मैच में श्रीकांत ने चीन के लू गुआंग झू के खिलाफपिछड़ने के बाद जबरदस्त वापसी करते हुए शानदार जीत दर्ज की। प्रणय ने 2022 में भारत की खिताबी जीत के दौरान भी ऐसी ही भूमिका निभाई थी। ऑल इंग्लैंड के फाइनल में जगह बनाने वाले लक्ष्य सेन भले ही तीन गेम वाले दो रोमांचक मुकाबले हार गए हों लेकिन उन्होंने अपने प्रदर्शन से सबको प्रभावित किया है।

अब जब उनका मुकाबला नाराओका से होगा तो भारत की जीत काफी हद तक उन्हीं पर निर्भर करेगी। वह जापान के इस प्रतिद्वंद्वी से छह बार हार चुके हैं। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की युगल जोड़ी ने अपने शुरुआती दो मैच जीते,लेकिन उसके बाद वे चीन के लियांग वेई केंग और वांग चांग से करीबी मुकाबले में हार गए। सात्विक के कंधे की चोट से उबरने के बाद यह उनका पहला टूर्नामेंट था और उम्मीद है कि यह करीबी मुकाबला उन्हें नॉकआउट चरण से पहले तैयारी में मदद करेगा। हरिहरन अमसाकरुणन और एमआर अर्जुन की दूसरी युगल जोड़ी ने भी अब तक अपने तीन में से दो मैच जीते हैं और वे भारत को सेमीफाइनल तक पहुंचाने में मदद करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। वर्ष 2022 में खिताब जीतने के अलावा भारत ने 1952, 1955 और 1979 में कांस्य पदक भी जीते हैं।

आईपीएल में अभी किसी टीम को प्रबल दावेदार नहीं बता सकते : गांगुली

कोलकाता । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है आईपीएल में सभी टीमें अच्छा खेल रही हैं और ऐसे में ये नहीं कहा जा सकता है कि कौन सी टीम जीतेगी । पंजाब किंग्स अब तक के प्रदर्शन को देखते हुए काफी अच्छा कर रही है। इसके अलावा राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु भी उसे कड़ी टक्कर दे रही हैं। अन्य टीमों भी उलटफेर कर रही हैं। कुल मिलाकर टूर्नामेंट अभी संतुलित हाल में है और कोई भी टीम आगे जा सकती है। इसलिए ये नहीं कहा जा सकता है ये टीम खिताब की प्रबल दावेदार है। गांगुली के अनुसार अभी करीब आधे मुकाबल बचे हुए है और ऐसे में ये टूर्नामेंट किसी भी दिशा में जा सकता है। कुल मिलाकर देखा जाये तो अभी कोई भी टीम ऊपर आ सकती है क्योंकि इस बार काफी अच्छी प्रतिस्पर्धा हो रही है। । अंक तालिका में भी टीमों के बीच कड़ा मुकाबला हो रहा है। पंजाब किंग्स अभी पहले स्थान पर चल रही है। वहीं दूसरे पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु है और तीसरे पर राजस्थान रॉयल्स वह चौथे पर सनराइजर्स हैदराबाद है। गुजरात टाइटन्स पांचवें स्थान पर है।

विजय वर्मा ने नागराज मंजुले के साथ काम करने के अनुभव पर बात की

विजय वर्मा इन दिनों अपनी हालिया रिलीज वेब सीरीज 'मटका किंग' को लेकर चर्चाओं में हैं। बातचीत में विजय ने इस प्रोजेक्ट को चुनने की वजह, शूटिंग के दौरान आई चुनौतियों और निर्देशक नागराज मंजुले के साथ काम करने के अनुभव पर खुलकर बात की। बातचीत के दौरान उन्होंने इस खेल की बारीकियों, उसे समझने में आई मुश्किलों और उससे जुड़ी अपनी निजी यादों का भी जिक्र किया।
'मटका किंग' को हां कहने की वजह पूछे जाने पर विजय ने सबसे पहले निर्देशक नागराज मंजुले का नाम लिया। उन्होंने कहा, 'नागराज मंजुले के साथ काम करना मेरा सपना था पर जब मैंने अपने किरदार के बारे में सुना तो थोड़ा डर गया कि मैं यह कर पाऊंगा या नहीं। डर इसीलिए था क्योंकि नागराज की फिल्मों में हर बारीकी पर ध्यान दिया जाता है।
शूटिंग के दौरान सबसे बड़ी चुनौती क्या रही? इस पर विजय ने कहा, 'सबसे मुश्किल था मटके का खेल समझना। बाहर से देखने पर लगता है कि ये सिर्फ ताश का खेल है लेकिन जब आप उसे किरदार के साथ जीते हैं, तब पता चलता है कि उसके भीतर कितनी बारीकियां हैं। ताश खेलते हुए डायलॉग बोलना, बातचीत करना, एक्सप्रेशन बनाए रखना और साथ ही उस दुनिया में बने रहना... ये सब एक साथ करना अपने आप में बड़ा चैलेंज था।'
ट्रेन के सफर में खेलता था ताश
दिलचस्प बात यह है कि ताश से विजय का रिश्ता सिर्फ इस सीरीज तक सीमित नहीं है। उन्होंने बताया कि असल जिंदगी में भी वह ताश खेल चुके हैं। विजय बोले, 'मैंने रियल लाइफ में भी खूब ताश खेला है। हैदराबाद से किशनगढ़ के ट्रेन सफर के दौरान एक अलग ही माहौल हुआ करता था। लोग अपने सब जरूरी सामान के साथ ताश लेकर चलते थे, ताकि सफर आराम से कट जाए। मैं भी उन्हीं में शामिल था और मुझे भी सफर के दौरान ताश खेलना पसंद था।'
बातचीत के दौरान जब विजय से पूछा गया कि ऐसी कौन सी लत है, जो चाहकर भी छूट नहीं रही? तो विजय ने हंसते हुए कहा, 'मैं बहुत कोशिश करता हूं कि वक्त पर सो जाऊं लेकिन पता नहीं क्यों ऐसा हो नहीं पाता। रात के एक-दो बज ही जाते हैं। कोशिश तो करता हूं, लेकिन रोज बुरी तरह फेल हो जाता हूं। यही मेरी एक ऐसी आदत है, जिसे चाहकर भी बदल नहीं पा रहा हूं।'

मैं बड़े पर्दे को कभी नहीं छोड़ूंगी, करिश्मा कपूर ने बताया अब क्यों करतीं हैं कम काम

अभिनेत्री करिश्मा कपूर लंबे वक्त से बड़े पर्दे से दूर हैं। हालांकि, उनका कहना है कि वो अब समय को ज्यादा महत्व देती हैं और चुनिंदा प्रोजेक्ट्स पर ही काम करना चाहती हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने अपने करियर और काम के प्रति अपने जुनून को लेकर बात की। उन्होंने बताया कि अब वो किस तरह के प्रोजेक्ट्स करना चाहती हैं। साथ ही एक्ट्रेस ने अपने समय के दौर को भी याद किया।

अब मैं समय को ज्यादा महत्व देती हूं

करिश्मा कपूर ने दशकों से इंडस्ट्री को करीब से देखने की बात कही। उन्होंने कहा कि आज काम जुनून और उद्देश्य से जुड़ा है। मैं इंडस्ट्री में पली-बढ़ी हूं और मुझे कमर्शियल ब्लॉकबस्टर से लेकर एक्सपेरिमेंटल फिल्मों तक, हर तरह की भूमिकाएं निभाने का सौभाग्य मिला है। अब हर जगह मौजूद रहने के बजाय मैं उन प्रोजेक्ट्स को चुनती हूं जो मेरे दिल को छूते हैं। अभिनेत्री स्वीकार करती हैं कि अब समय उनके लिए सबसे महत्वपूर्ण हो गया है। उन्होंने कहा कि पहले लगातार काम करने और एक सेट से दूसरे सेट पर जाने की वजह से काफी भागदौड़ रहती थी। अब मैं समय को ज्यादा महत्व देती हूं। मैं सोच-समझकर प्रोजेक्ट चुनती हूं क्योंकि मैं चाहती हूं कि हर प्रोजेक्ट के लिए समय निकालना सार्थक हो और साथ ही परिवार को भी पर्याप्त समय मिल सके। स्क्रिप्ट तो जरूरी है ही, लेकिन साथ ही लोग और कहानी के पीछे का मकसद भी मायने रखता है।

मैं बड़े पर्दे को कभी नहीं छोड़ूंगी

अभिनेत्री ने आगे कहा कि बड़े पर्दे का अपना ही जादू है, यहीं से मैंने शुरुआत की थी और यह हमेशा मेरे दिल में एक खास जगह रखेगा। लेकिन मुझे यह भी पसंद है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म के साथ कहानी कहने का तरीका कैसे विकसित हुआ है। वेब मुश्किल कहानियों और अलग-अलग तरह के किरदारों के लिए मौका देता है। मेरे जैसी किसी के लिए जो आगे क्या करना है, इस बारे में सोच-समझकर फैसला लेती है यह एक बेहतरीन क्षेत्र है। हालांकि, मैं बड़े पर्दे को कभी नहीं छोड़ूंगी।

2024 में आखिरी बार मर्डर-मिस्ट्री में नजर आई थीं करिश्मा

वर्कफ्रंट की बात करें तो करिश्मा कपूर आखिरी बार साल 2024 में आई मर्डर-मिस्ट्री फिल्म 'मर्डर मुबारक' में नजर आई थीं। यह एक मल्टीस्टारर फिल्म थी, जो ओटीटी पर रिलीज हुई थी। हालांकि, फिल्म को खास प्रतिक्रियाएं नहीं मिली थीं। उनके आगामी प्रोजेक्ट को लेकर अभी कोई जानकारी नहीं है।

खुद कंजूस रही हूं, पर पति कंजूस नहीं चलेगा

'दंगल', 'बधाई हो' और 'जवान' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों की एक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा पिछले दिनों अपनी भावनात्मक फिल्म 'मिसेज के जीते अवॉर्ड्स' को लेकर खबरों में थीं, वहीं अब वह चर्चा में हैं अपनी कॉमिडी फिल्म 'टोस्टर' को लेकर। सान्या का कहना है कि अपनी कई फिल्मों में इमोशनल भूमिकाएं करने के बाद असल में वह ऐसे 'फील गुड किरदार' की तलाश में थीं। बकौल सान्या, 'इस फिल्म में काम करना मेरे लिए बहुत मजेदार अनुभव रहा, क्योंकि बतौर ऐक्टर मैं एक ऐसे किरदार के तलाश में थी जिससे मुझे फील गुड वाला अहसास कराए। मैंने इतनी कॉमिडी की भी नहीं है। मैंने ड्रामा वाली फिल्में ज्यादा की हैं और उसमें भी कुछ बहुत इमोशनल वाली भी रहीं हैं, ऐसे में कॉमिडी करना अच्छा ब्रेक था।' सान्या आगे बताती हैं, 'मुझे ऐसी मजेदार फिल्में देखना भी बहुत पसंद है। उस पर अगर आपको एक ऐसी टीम के साथ काम करने को मिले जहां आपको पता है कि आप सेट पर खुशी-खुशी जाओगे और खुशी-खुशी वापस आओगे। इसके अलावा, फिल्म में जो मेरे को-ऐक्टर्स हैं, उनकी कॉमिक टाइमिंग इतनी कमाल है कि उन्हें ऐक्टिंग करते देखना भी बहुत मजेदार होता है। जैसे, जब आप राज (राजकुमार राव) और अभिषेक (बनर्जी) को कुछ इंप्रोवाइज करते हुए देखते हैं तो बड़ा मजा आता है।'
फिल्म में सान्या का पति महाकंजूस होता है, क्या असल जिंदगी में कंजूस पति चलेगा? इस सवाल पर वह कहती हैं, 'भगवान न करे कि कंजूस पति मिले। पता चला लंच के लिए लंगर पर लेकर चला जाए (हंसती हैं)। हालांकि, मैं खुद कंजूस रह चुकी हूं। मैं काफी सोच-समझकर खर्च करने वाली रही हूं और हर चीज खरीदने से पहले काफी सोचती थी, मगर पति तो कंजूस बिल्कुल नहीं चलेगा।'

सूरज बड़जात्या के साथ काम करना मेरा सपना सच होने जैसा...

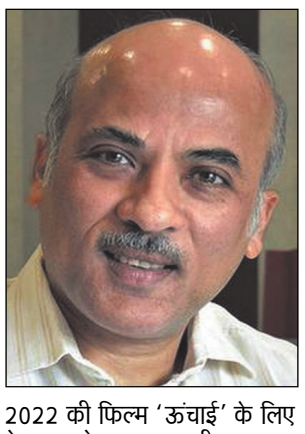

2022 की फिल्म 'ऊंचाई' के लिए बेस्ट डायरेक्टर का राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने के बाद, सूरज बड़जात्या वापस आ रहे हैं। उनकी नई फिल्म का नाम है 'ये प्रेम मोल लिया'। यह एक अच्छी पारिवारिक मनोरंजन फिल्म है। इस फिल्म को लेकर शरवरी वाघ बेहद खुश हैं। फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' 27 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसमें राजश्री के प्यारे किरदार 'प्रेम' को 12 साल बाद बड़े पर्दे पर लाया जा रहा है। आयुष्मान खुराना पहली बार प्रेम का रोल निभा रहे हैं। उनके साथ मुख्य अभिनेत्री शरवरी वाघ हैं। यह फिल्म राजश्री प्रोडक्शंस और महावीर जैन फिल्म्स ने मिलकर बनाई है। शरवरी ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, ''ये प्रेम मोल लिया' मेरे लिए एक बहुत खास फिल्म है। सूरज बड़जात्या के साथ काम करना मेरा सबसे बड़ा सपना सच होने जैसा लग रहा है। आयुष्मान के साथ यह सफर और भी खूबसूरत बन गया है।' शरवरी ने आगे लिखा, '27 नवंबर 2026 को सब लोग सिनेमाघर में फिल्म देखने जरूर आएं।'

फिल्म का संगीत होगा खास

इस फिल्म में 12 साल बाद सूरज बड़जात्या और हिमेश रेशमिया फिर साथ काम कर रहे हैं। पिछली बार 2014 में सलमान खान की फिल्म 'प्रेम रतन धन पायो' में दोनों ने साथ काम किया था। उस वक्त कई हिट गाने आए थे। अब भी दमदार संगीत आने की उम्मीद है।

आयुष्मान ने आने वाली फिल्मों में अपने किरदारों को लेकर बात की

आयुष्मान खुराना इस साल तीन फिल्मों में नजर आने वाले हैं। इन दिनों आयुष्मान 'पति पत्नी और वो दो', 'उड़ता तीर' और 'ये प्रेम मोल लिया' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। आयुष्मान ने आने वाली फिल्मों में अपने किरदारों को लेकर बात की। साथ ही बताया कि वह हर फिल्म के साथ कुछ नया करने की कोशिश क्यों करते हैं?
आयुष्मान खुराना इस साल 2026 में तीन फिल्मों में नजर आने वाले हैं, ये सभी फिल्में एक-दूसरे से बिल्कुल अलग हैं। पहली फिल्म कॉमेडी और रिश्तों पर है। जबकि दूसरी फिल्म अनोखी और विद्रोही है। तीसरी फिल्म परिवार और परंपरा पर आधारित है। पहली फिल्म 'पति पत्नी और वो दो', जो 15 मई को रिलीज होगी। दूसरी फिल्म 'उड़ता तीर', जो 11 सितंबर को आएगी। तीसरी फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया', जो 27 नवंबर को रिलीज होगी।
आयुष्मान ने कहा, 'मैं कभी भी जानबूझकर अलग तरह के रोल दिखाने की कोशिश नहीं करता। मेरे लिए सिर्फ वो कहानियां महत्वपूर्ण हैं, जो मुझे दर्शक के रूप में अच्छी लगती हैं। तीन अलग-अलग फिल्में एक ही साल में करना रोमांचक है, लेकिन यह जिम्मेदारी भी है। यह मुझे हर बार नया बनने के लिए प्रेरित करता है।'

मैं मनोरंजक फिल्में करना चाहता हूं

आयुष्मान ने कहा, 'आज के दर्शक कुछ नया देखना चाहते हैं। वे एक ही चीज बार-बार नहीं देखना चाहते। मैं ऐसी फिल्में बनाना चाहता हूं, जो मनोरंजक हों और कुछ संदेश भी दें। अगर लोग इसे अलग तरह की फिल्में कह रहे हैं, तो मैं आभारी हूं। लेकिन मेरे लिए यह सिर्फ जिज्ञासु बने रहना और ईमानदार रहना है।

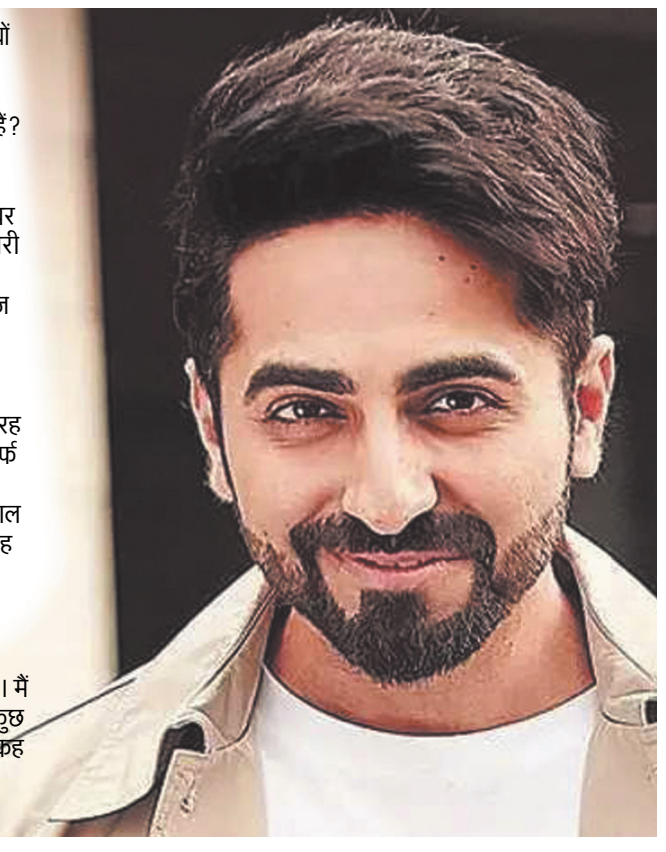

प्रियंका और सामंथा लाईं इंडस्ट्री में बदलाव

'जो मेहनत करता है, उसे फल मिलता है।' कहना है जानी-मानी एक्ट्रेस सई ताम्हणकर का। मराठी के साथ-साथ हिंदी फिल्म जगत में अपनी प्रतिभा की चमक बिखेरने वाली सई 'दुनियादारी', 'हंटर', 'मिमी', 'बेरोजगार', 'धुरला', 'दलदल' और 'डब्बा कार्टलट जैसे हिंदी-मराठी के प्रोजेक्ट्स से खुद को वर्सेटाइल एक्ट्रेस के रूप में साबित कर चुकी हैं। वह अपने सफर को बहुत ही ग्रेसफुल नजरों से देखती हैं और बहुत विनम्र महसूस करती हैं। इन दिनों वह चर्चा में हैं अपनी नई वेब सीरीज 'मटका किंग' से। उनसे एक बातचीत।

स्कूल में खेलती थी कबड्डी-कराटे

सई आज मराठी और हिंदी इंडस्ट्री में अपना अच्छा नाम बना चुकी हैं, लेकिन उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वह एक्ट्रेस बनेंगी। वह बताती हैं, 'मेरे पिता जहाज में काम करते थे और अक्सर समुद्री यात्राओं पर रहते थे। घर पर मैं और मम्मी ही होते थे, और उन्होंने मुझे हमेशा आत्मनिर्भर बनना सिखाया। मुझे मजबूत और दबंग बनाने में उनका बहुत बड़ा योगदान है। स्कूल में मैं 'कबड्डी गर्ल' के नाम से जानी जाती थी। मेरे घुटने हमेशा चोटिल रहते थे और मुझमें पारंपरिक 'लड़कियों वाली' बातें कम ही थीं। मैं टॉमबॉय थी। कॉलेज तक मेरा बॉयकट हेयरस्टाइल रहा। इसी दौरान मैंने कराटे सीखा और ऑरेंज बेल्ट हासिल की। मेरी मां और खेलों ने मेरे आत्मविश्वास को और मजबूत किया। मेरे बेबाक और बिंदास स्वभाव की वजह से लोग मेरे सामने कुछ गलत करने से हिचकते हैं। मेरा मानना है कि हर लड़की को आत्मनिर्भर और दबंग होना चाहिए।'

रीजनल एक्ट्रेस के टैग से दर्द होता है

आमतौर पर साउथ या मराठी फिल्म जगत से आई हुई एक्ट्रेसेस को रीजनल एक्ट्रेस का टैग दे दिया जाता है। इस पर वह अफसोस जताते हुए कहती हैं, 'कभी -कभार दर्द होता है कि ऐसा क्यों है? हम तो दोनी ही इंडस्ट्री में उतनी ही लगन और मेहनत काम करते हैं। हालांकि वो जमाना चला गया है, जब भाषा के आधार पर विभाजन किया जाता था। इस मुद्दे पर मैं दर्शकों से अनुरोध करना चाहूंगी कि वो हमें काम के आधार पर तौलें। जहां तक टैग देने की बात है, तो उन्हें तोड़ने में भी खूब मजा आता है। वो हमारे लिए ईंधन का काम करते हैं। मेरे जैसे और भी कई कलाकार हैं, जो इस बॉक्स को तोड़ने में लगे हुए हैं। हिंदी में 'मिमी' एक ऐसी फिल्म थी, जिसने मुझे इस टैग से बाहर आने में मदद की। मुझे अपना पहला फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला और भी कई दूसरे पुरस्कार मिले।'

'कई बार एक्ट्रेसेस को टाइपकास्ट भी कर दिया जाता है'

सई मानती हैं कि लेबल लगाने के साथ-साथ कई बार एक्ट्रेसेस को टाइपकास्ट भी कर दिया जाता है। वह कहती हैं कि ये सालों से अंडरकरंट देखा जाता है। वह कहती हैं, 'इससे निकलने का सबसे अच्छा तरीका यही है कि एक ही तरह के रोल्स के लिए ना की जाए, मगर ये बहुत मुश्किल होता है। हमारी इंडस्ट्री ही नहीं हमारा समाज भी पितृसत्ताक है, मगर इस बैकड्रॉप के बावजूद लड़कियां बहुत अच्छा काम कर रही हैं।' इससे निकलने का सबसे अच्छा तरीका यही है कि एक ही तरह के रोल्स के लिए ना की जाए, मगर ये बहुत मुश्किल होता है। हमारी इंडस्ट्री ही नहीं हमारा समाज भी पितृसत्ताक है, मगर इस बैकड्रॉप के बावजूद लड़कियां बहुत अच्छा काम कर रही हैं।

प्रियंका और सामंथा लाईं बदलाव

पुरुष प्रधान इंडस्ट्री में हीरोइन की तुलना में हीरो को ज्यादा अहमियत जी जाती है? इस सवाल पर वह कहती हैं, 'कुछ सालों में ये हालात बदले हैं। प्रियंका चोपड़ा और सामंथा रुथ प्रभु का इस बदलाव में बड़ा योगदान यही। इन्होने धीरे-धीरे वो ब्रैकेट्स तोड़ने शुरू किए। पहले की तुलना मैंने आज हालात बदले हैं, पहले तो बहुत ही बुरी स्थिति थी।' पे पैरिटी के मुद्दे पर सई ताम्हणकर कहती हैं, 'जब भी नेगेटिव चीजें होती हैं, उनके बारे में काफी हो-हल्ला होता है, पर सकारत्मक चीजों पर बात काम ही होती है।

वेब सीरीज के लिए छोड़ी प्राइज मनी

इंडस्ट्री में दो दशक से भी ज्यादा का समय बिता चुकी सई अपनी फीस को लेकर कहती हैं, 'मैं अगर अपनी बात करूं, तो कई बार मैं अपने मनमुताबिक अपनी फीस ले पाती हूं और कई बार नहीं ले पाती, मगर जितनी बार ले पाई, उसने मुझे बहुत हौसला दिया है। एक एक्टर को पता होता है कि कब अपनी फीस छोड़नी है और कब अड़े रहना है, क्योंकि एक्टिंग के पेशे के बावजूद कई बार हम सृजनात्मक संतुष्टि के लिए काम करते हैं, तो कई बार ऐसा मौका भी आया कि मैंने अपनी प्राइज मनी छोड़ दी हो।' 'मैंने यूट्यूब के लिए एक वेब सीरीज की थी और उसके लिए मैंने अपना मेहनताना छोड़ दिया था, मगर उसका जो रिस्पॉन्स आया था, उसका मोल कुछ हो ही नहीं सकता। उस वेब सीरीज का नाम था 'बेरोजगार'।

संक्षिप्त समाचार

श्रीलंका के चेम्मनी में सामूहिक कब्र की खुदाई फिर शुरू

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के जाफना के पास स्थित चेम्मनी क्षेत्र में एक सामूहिक कब्र की खुदाई का काम फिर से शुरू करने का आदेश दिया गया है। यह वही स्थान है जो 1990 के दशक में लिट्टे संघर्ष के दौरान बड़े पैमाने पर दफनाने की घटनाओं के कारण सुर्खियों में आया था। स्थानीय अदालत ने सात महीने के अंतराल के बाद इस खुदाई कार्य को दोबारा शुरू करने की अनुमति दी है। यह कार्य पिछले साल सितंबर में रोक दिया गया था, जब न्याय मंत्रालय की ओर से फंड की नई व्यवस्था लंबित थी। जाफना मजिस्ट्रेट कोर्ट को मंगलवार को बताया गया कि खुदाई कार्य के लिए लगभग 2.1 मिलियन श्रीलंकाई रुपये की राशि जारी कर दी गई है, जिसके बाद काम दोबारा शुरू किया जाएगा। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए अदालत ने यूरोपीय संघ सहित फ्रांस, जर्मनी, इटली और रोमानिया के राजनयिकों को खुदाई स्थल पर निरीक्षण के लिए मौजूद रहने की अनुमति दी है। खुदाई के दूसरे चरण को पहले 45 दिनों बाद रोका गया था, जिसमें अब तक 240 मानव कंकाल बरामद किए जा चुके हैं। इसके अलावा 14 हड्डियों के ढेर और कई वस्तुएं भी मिली हैं, जिनमें शिशु बोतलें, गुड़िया, खिलौने, बच्चों के बैग और जूते शामिल हैं। 13 फरवरी 2025 को चेम्मनी में विकास कार्य के दौरान फिर से मानव अवशेष मिलने के बाद मामला एक बार फिर सुर्खियों में आ गया था। इसके बाद अदालत ने इनके न्यायिक परीक्षण का आदेश दिया था। 14 अगस्त को जाफना के न्यायिक चिकित्सा अधिकारी की रिपोर्ट के आधार पर खुदाई कार्य को और आठ सप्ताह तक जारी रखने की सिफारिश की गई थी। चेम्मनी क्षेत्र पहली बार 1998 में चर्चा में आया था, जब [illegible] और सरकारी सेना के बीच संघर्ष के दौरान यहां सामूहिक कब्र का दावा किया गया था। उस समय लगभग 15 कंकाल बरामद हुए थे, जिससे यह मामला अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में आ गया था।

एफबीआई के पूर्व प्रमुख के खिलाफ चलेगा मुकदमा, राष्ट्रपति ट्रंप को जान से मारने की धमकी देने का आरोप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी एफबीआई के पूर्व निदेशक जेम्स कोमी के खिलाफ मुकदमा चलेगा। कोमी पर आरोप है कि उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को जान से मारने की धमकी दी। अमेरिका के कार्यवाहक अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लांच ने मंगलवार को बताया कि संघीय ग्रांड ज्यूरी ने जेम्स कोमी पर दो मामलों में मुकदमा चलाने का फैसला किया है, जो अमेरिका के राष्ट्रपति को जान से मारने की धमकी देने से जुड़े हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान टॉड ब्लांच ने कहा कि न्याय विभाग इस मामले में कोई नरमी नहीं बरतेगा। आरोप है कि जेम्स कोमी ने 15 मई, 2025 को कथित तौर पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को जान से मारने और उन्हें शारीरिक नुकसान पहुंचाने की धमकी दी थी। इस मामले में उत्तरी कैरोलिना के पूर्वी जिले में मुकदमा दायर हुआ है। दूसरे मामले में कोमी ने टेलीफोन संचार या डिजिटल माध्यम से राष्ट्रपति को जान से मारने की धमकी वाला संदेश भेजा था। प्रेस कॉन्फ्रेंस में टॉड ब्लांच ने कहा कि न्याय विभाग कभी भी राष्ट्रपति को धमकी देने की बात को बर्दाश्त नहीं करेगा। इन दोनों मुकदमों में अगर जेम्स कोमी को दोषी पाया जाता है तो उन्हें 10-10 साल की सजा हो सकती है। जेम्स कोमी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है। हालांकि अभी ये साफ नहीं है कि उन्हें हिरासत में लिया जाएगा या वे खुद आत्मसमर्पण करेंगे। वहीं जेम्स कोमी ने अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज किया है।

पूर्व राष्ट्रपति येओल की पत्नी को चार साल की कैद, भ्रष्टाचार के मामले में ठहराई गई दोषी

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया की एक अदालत ने देश के पूर्व राष्ट्रपति यून सुक येओल की पत्नी किम किओन ही को भ्रष्टाचार के एक और मामले में चार साल की सजा सुनाई है। दो महीने पहले उनके पति को देश में जबरन मार्शल लॉ लगाने के आरोप में उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। जनवरी में एक जिला अदालत ने पूर्व प्रथम महिला किम को 20 महीने की सजा सुनाई थी। उन पर आरोप था कि उन्होंने राजनीतिक लाभ देने के वादे के बदले यूनिफिकेशन चर्च से उपहार लिए थे। इन उपहारों में एक ग्राफ कंपनी का हीरे का हार और एक चैनल बैग शामिल था। हालांकि, उसी समय उन्हें एक शेयर कीमत में हेरफेर के मामले में बरी कर दिया गया था, जो मामला उनके प्रथम महिला बनने से पहले का था। बाद में दोनों पक्षों ने इस फैसले के खिलाफ अपील की। मंगलवार को सियोल हाईकोर्ट ने उनकी सजा बढ़ाकर चार साल कर दी। अदालत ने उन्हें यूनिफिकेशन चर्च से एक और चैनल बैग (कीमती हैंडबैग) लेने और शेयरों की कीमत में हेरफेर के मामले में भी दोषी पाया। दंपती की स्थिति उस समय बदली, जब दिसंबर 2024 में यून ने मार्शल लॉ लगाया, जिसके कारण उनके खिलाफ महाभियोग शुरू हुआ और उन्हें पद से हटा दिया गया। इसके बाद उन पर कई आपराधिक मामले चले। जांचकर्ताओं का कहना है कि किम का मार्शल लॉ लागू करने से कोई संबंध नहीं था।

ईरान का नया शांति प्रस्ताव, ट्रंप पर 1 मई के बाद युद्ध जारी रखने को लेकर बढ़ा सियासी संकट

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान ने स्पष्ट किया है कि मौजूदा स्थिति को वह सामान्य नहीं मानता और उसके लिए हालात अब भी युद्ध जैसे ही बने हुए हैं। प्रेस टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी सेना के प्रवक्ता ने कहा कि संघर्ष पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। प्रवक्ता ने बताया कि देश की सेना और सुरक्षा एजेंसियां लगातार निगरानी और सर्विलांस में जुटी हैं, ताकि हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी जा सके और किसी भी संभावित खतरे का तुरंत जवाब दिया जा सके। ईरान ने अपने विरोधियों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर कोई नई कार्रवाई की जाती है, तो उसका जवाब नए हथियारों, नई रणनीतियों और अलग-अलग मोर्चों पर दिया जाएगा। अमेरिका में 'वॉर पावर्स रेजोल्यूशन 1973' नाम का एक कानून लागू है, जिसके अनुसार अगर राष्ट्रपति बिना कांग्रेस की मंजूरी के सैन्य कार्रवाई करते हैं, तो उन्हें 60 दिनों के भीतर संसद से अनुमति लेना अनिवार्य होता है। रिपोर्टों के मुताबिक, अमेरिका ने 28 फरवरी को ईरान पर सैन्य कार्रवाई की थी, लेकिन इसकी आधिकारिक जानकारी संसद को 2 मार्च को दी गई। इस स्थिति में ट्रंप प्रशासन के पास 1 मई तक कांग्रेस की मंजूरी लेने का समय है। यदि ऐसा नहीं होता, तो कानून के अनुसार सैन्य कार्रवाई रोकनी पड़ सकती है। कांग्रेस की मंजूरी के लिए हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स और सीनेट दोनों में साधारण बहुमत की जरूरत होती है, लेकिन अभी तक यह समर्थन नहीं मिल

सका है। बताया जा रहा है कि कम से कम 10 रिपब्लिकन सांसद भी इस कार्रवाई के विरोध में हैं। हालांकि नियम यह कहता है कि मंजूरी न मिलने पर सैन्य कार्रवाई समाप्त होनी चाहिए, लेकिन व्यवहार में ऐसा हमेशा नहीं होता। अतीत में कई अमेरिकी राष्ट्रपति इस कानून की व्याख्या अपने तरीके से करते रहे हैं और इसे लेकर कानूनी बहस भी होती रही है।

ईरान की नई शांति पहल : ईरान आने वाले कुछ दिनों में पाकिस्तान में मौजूद मध्यस्थों के जरिए युद्ध समाप्त करने के लिए एक नया प्रस्ताव पेश करने की तैयारी कर रहा है। सीएनएन की एक रिपोर्ट के अनुसार, यह कदम इसलिए उठाया जा रहा है क्योंकि पूर्व में दिया गया प्रस्ताव डोनाल्ड ट्रंप ने स्वीकार नहीं किया था।

अमेरिकी सेना ने समुद्र में संदिग्ध जहाज को रोका : अमेरिकी सेना ने ईरान के बंदरगाहों की नाकेबंदी के दौरान एक और व्यापारिक जहाज ब्लू स्टार III की तलाशी ली। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने बताया कि मरीन सैनिकों ने हेलीकॉप्टर से रस्सी के सहारे जहाज पर उतरकर जांच की। जब यह पुष्टि हो गई कि जहाज ईरान के किसी भी बंदरगाह पर नहीं जा रहा है, तो उसे आगे बढ़ने की अनुमति दे दी गई। ट्रंप प्रशासन ने दो हफ्ते पहले ईरान की समुद्री नाकेबंदी शुरू की थी। तब से अब तक अमेरिकी सेना ने कम से कम चार व्यापारिक जहाजों की तलाशी ली है। यह पहला मौका है जब किसी जहाज को हिरासत में लेने के बजाय छोड़ दिया गया। अमेरिका ने यह नाकेबंदी ईरान पर दबाव बनाने के लिए की है।

ईरानी अधिकारी ने ईरान के खिलाफ ट्रंप की धमकियों की निंदा की : भारत में ईरान के सर्वोच्च नेता के उप प्रतिनिधि डॉ मोहम्मद हुसैन जियाईनिया ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकियों का कड़ा विरोध किया है। ट्रंप ने शांति समझौता न होने पर ईरान के बुनियादी ढांचे को बम से उड़ाने की धमकी दी थी। जियाईनिया ने कहा कि ट्रंप खुलेआम अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन कर रहे हैं, लेकिन संयुक्त राष्ट्र और अन्य संगठन इस पर चुप हैं। दक्षिणी लेबनान पर इस्राइली हवाई हमले में दो की मौत, 13 घायल दक्षिण लेबनान के जेबचित शहर पर इस्राइल ने हवाई हमला किया है। शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, इस हमले में दो लोगों की मौत हो गई। आधिकारिक नेशनल न्यूज एजेंसी ने जानकारी दी कि नबातियेह जिले में हुए इस हमले में 13 अन्य लोग घायल हुए हैं। मंगलवार को लेबनान में हुए अलग-अलग इस्राइली हमलों में कुल मिलाकर कम से कम 11 लोग मारे गए और 30 घायल हुए। इन पीड़ितों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं।

श्रीलंका चेम्मनी में सामूहिक कब्र की खुदाई फिर शुरू, एबीसी लाइसेंस पर एफसीसी का फैसला- समीक्षा का आदेश जारी

कंपाला, एजेंसी। युगांडा के अधिकारियों ने अवैध प्रवासन और मानव तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए भारतीयों सहित 231 विदेशी नागरिकों को हिरासत में लिया है। आंतरिक मामलों के मंत्रालय ने बताया कि यह अभियान सोमवार से शुरू हुआ। इसमें उत्तरी युगांडा में रह रहे नाइजीरियाई नागरिकों और राजधानी कंपाला के एक बंद परिसर में रह रहे विदेशियों को निशाना बनाया गया। कंपाला के जिस परिसर में छापेमारी हुई, वहां 169 लोग मिले, जिनमें 36 महिलाएं थीं। इस समूह में भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, घाना, म्यांमार, इथियोपिया, श्रीलंका, कंबोडिया और मलेशिया के नागरिक शामिल हैं। यह परिसर पूरी तरह से प्रतिबंधित था और इसमें अपनी खुद की रेस्टोरेंट जैसी सुविधाएं थीं, ताकि लोगों की आवाजाही को सीमित रखा जा सके। जांच में पता चला कि कई लोगों के पास पासपोर्ट नहीं थे। कुछ ने दावा किया कि उन्हें नौकरी का झांसा देकर युगांडा लाया गया था, जबकि कुछ लोग साइबर ठगी और अन्य आपराधिक गतिविधियों में शामिल पाए गए। मंत्रालय के प्रवक्ता साइमन पीटर मुंडेयी ने बताया कि हिरासत में लिए गए लोगों को तीन श्रेणियों में बांटा गया है। जिनमें- तस्करी के शिकार लोग, तस्करी करने वाले मुख्य आरोपी और वे लोग जो बिना वीजा के रह रहे थे। कानून तोड़ने वालों पर मुकदमा चलाया जाएगा। तस्करी के शिकार और वीजा अवधि खत्म होने वाले लोगों को टिकट खरीदकर देश छोड़ने में मदद की जाएगी। वहीं, तस्करी के सरगनाओं को सजा और निर्वासन का सामना करना पड़ सकता है। फेडरल कम्युनिकेशंस कमीशन (एफसीसी) ने अमेरिकी ब्रॉडकास्टिंग कंपनी (एबीसी) के स्थानीय टीवी स्टेशनों के ब्रॉडकास्ट लाइसेंस की समय से पहले समीक्षा करने का आदेश जारी किया है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी पत्नी मेलानिया ट्रंप ने कॉमेडियन जिमी किमेल को लेकर सख्त टिप्पणी की थी। एफसीसी का यह निर्णय असामान्य और सख्त माना जा रहा है, क्योंकि आमतौर पर ब्रॉडकास्ट लाइसेंस की समीक्षा तय समय पर ही की जाती है। आदेश के अनुसार एबीसी और उसके सभी लाइसेंस प्राप्त टीवी स्टेशनों को 28 मई 2026 तक अपने लाइसेंस नवीनीकरण के लिए आवेदन करना होगा। यह समीक्षा नेटवर्क के आठ चैनलों से जुड़ी है और एक चल रही जांच का हिस्सा बताई जा रही है, जिसमें एबीसी की विविधता से जुड़ी नीतियों की भी जांच हो रही है। हालांकि, यह कदम उस विवाद के ठीक बाद आया है, जिसमें जिमी किमेल के एक बयान को लेकर राजनीतिक हलकों में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली।

होर्मुज में समुद्री रास्ता खुलवाना चाहता है भारत; संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में जताई चिंता

न्यूयॉर्क, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते संकट के बीच, भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से सुरक्षित और निर्बाध समुद्री आवागमन को जल्द से जल्द बहाल करने का आग्रह किया है। भारत ने अपने नाविकों की सुरक्षा पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि किसी भी महत्वपूर्ण जलमार्ग को बंद करने के कथित प्रयासों के वैश्विक अर्थव्यवस्था पर सीधे परिणाम होते हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में 'समुद्री क्षेत्र में जलमार्गों की सुरक्षा और संरक्षण' पर एक खुली बहस को संबोधित करते हुए, संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन की प्रभारी राजदूत, योजना पटेल ने इस बात पर जोर दिया कि भारत समुद्री सुरक्षा और जलमार्गों के संरक्षण को वैश्विक सुरक्षा और आर्थिक समृद्धि के लिए आवश्यक मानता है। भारत ने दोहराया कि अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से नौवहन की स्वतंत्रता और वैश्विक वाणिज्य का पूरी तरह से सम्मान किया जाना चाहिए और जल्द से जल्द सुरक्षित और निर्बाध समुद्री आवागमन बहाल किया जाना चाहिए। बता दें कि, भारत दुनिया के शीर्ष तीन नाविक-आपूर्ति करने वाले देशों में से एक है, जो वैश्विक समुद्री कार्यबल का लगभग 13 प्रतिशत योगदान देता है। इसलिए, भारत अपने नाविकों की सुरक्षा और कल्याण को लेकर गहराई से चिंतित है। राजदूत पटेल ने कहा, 'किसी भी महत्वपूर्ण जलमार्ग में व्यवधान, बाधा या कथित बंद होने के वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा और मानवीय आपूर्ति श्रृंखलाओं पर सीधे परिणाम होते हैं।' पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच, विदेश मंत्रालय ने पिछले महीने कहा था कि क्षेत्र में 'कई घटनाओं' में आठ भारतीय नागरिकों की जान चली गई है, जबकि एक अभी भी लापता है। भारत ने इस बात पर जोर दिया कि तत्काल हल की जाने वाली मुख्य चिंताएं नौवहन की सुरक्षा, आपूर्ति श्रृंखलाओं की निरंतरता (विशेष रूप से मानवीय आपूर्ति श्रृंखलाओं पर जोर के साथ), समुद्री जागरूकता में वृद्धि और नाविकों के लिए संचार की सुविधा प्रदान करना है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि विश्व के जलमार्गों की सुरक्षा अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की परीक्षा बन गई है।

ऑस्ट्रेलिया का बड़ा कदमः मेटा-गूगल और टिकटॉक पर टैक्स का लगाने का प्रस्ताव, पत्रकारों को मिलेगा भुगतान

कैनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने डिजिटल दिग्गज कंपनियों मेटा, गूगल और टिकटॉक पर टैक्स लगाने का प्रस्ताव रखा है, ताकि पत्रकारों और समाचार संस्थानों को आर्थिक सहयोग दिया जा सके। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने कहा कि पत्रकारों के काम की एक आर्थिक कीमत तय करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं होना चाहिए कि बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियां पत्रकारों की बनाई सामग्री का इस्तेमाल कर मुनाफा कमाएं और उन्हें उचित भुगतान न मिले। हम मानते हैं कि पत्रकारिता में निवेश एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए बेहद जरूरी है।

ऑस्ट्रेलिया का ऐसा दूसरा प्रयास : यह ऑस्ट्रेलिया का दूसरा प्रयास है, जिसके तहत डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को समाचार सामग्री टेक्स्ट और इमेज के लिए भुगतान

करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। इससे पहले 2021 में लागू किए गए समाचार मीडिया सौदेबाजी संहिता के जरिए भी कंपनियों पर दबाव बनाया गया था। उस समय प्लेटफॉर्म्स ने मध्यस्थता से बचने के लिए समाचार संस्थानों के साथ व्यावसायिक समझौते किए थे, ताकि कोई जज उनकी कीमत तय न करे। लेकिन बाद में इन कंपनियों ने उन समझौतों को नवीनीकृत करने से बचने के लिए अपने प्लेटफॉर्म्स से समाचार सामग्री हटाना शुरू कर दिया।

क्या है समाचार सौदेबाजी प्रोत्साहन : अब सरकार 'समाचार सौदेबाजी प्रोत्साहन' नाम से नया प्रावधान ला रही है। इसके तहत जो बड़ी डिजिटल कंपनियां समाचार संस्थानों के साथ समझौता नहीं करेंगी, उन पर ऑस्ट्रेलिया में होने वाली उनकी कुल कमाई का 2.25% टैक्स लगाया जाएगा। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि अगर कंपनियां पत्रकारिता के लिए भुगतान करने पर सहमत होती हैं, तो उन्हें टैक्स में छूट दी जाएगी, जिससे उनका कुल आर्थिक बोझ कम हो जाएगा। सरकार का अनुमान है कि इस योजना के जरिए हर साल 200 से 250 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (करीब 144 से 179 मिलियन अमेरिकी डॉलर) की राशि जुटाई जा सकती है। यह वही स्तर है, जितना भुगतान प्लेटफॉर्म्स ने उस समय किया था जब समाचार मीडिया सौदेबाजी संहिता अपने चरम पर था। संचार मंत्री अनिका वेल्स ने बताया कि इस राशि को समाचार संगठनों के बीच उनके यहां काम करने वाले पत्रकारों की संख्या के आधार पर वितरित किया जाएगा। यह टैक्स मेटा प्लेटफॉर्म, गूगल और टिकटॉक पर लागू होगा। इस प्रस्ताव का इन कंपनियों ने कड़ा विरोध किया है। मेटा ने कहा कि समाचार संस्थान अपनी इच्छा से उनके प्लेटफॉर्म पर सामग्री साझा करते हैं क्योंकि उन्हें इससे फायदा होता है। कंपनी ने बयान में कहा कि यह कहना गलत है कि हम उनकी खबरें ले लेते हैं। यह प्रस्ताव वास्तव में एक डिजिटल सर्विस टैक्स है, जो बदलते विज्ञापन उद्योग को सही तरह नहीं समझता और टिकाऊ समाचार क्षेत्र बनाने में विफल रहेगा।

बिश्केक में रक्षा मंत्री ने की चीनी समकक्ष से मुलाकात, एलएसी पर शांति-पश्चिम एशिया संकट पर हुई चर्चा

बिश्केक, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन के रक्षा मंत्रियों के सम्मेलन के दौरान अपने चीनी समकक्ष एडमिरल डोंग जुन से मुलाकात की। इस महत्वपूर्ण बैठक में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर शांति और स्थिरता बनाए रखने के साथ-साथ पश्चिम एशिया के संकट जैसे क्षेत्रीय सुरक्षा मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया पर इस मुलाकात को खुशी जताई। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, दोनों मंत्रियों ने वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य पर अपने विचार साझा किए। जून 2020 में गलवान घाटी में हुए संघर्ष के बाद भारत और चीन के रिश्तों में काफी तनाव आ गया था, जिसे अब सुधारने

की कोशिश की जा रही है। दोनों देशों ने राजनयिक और सैन्य बातचीत के बाद पूर्वी लद्दाख में कई विवादित जगहों से अपनी सेनाएं पीछे हटाई हैं। अक्टूबर 2024 में डेपसांग और डेमचोक जैसे आखिरी दो विवादित बिंदुओं पर भी सैनिकों को हटाने का समझौता हुआ था। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कजान में मुलाकात कर रिश्तों को बेहतर बनाने के फैसले लिए थे। पिछले साल अगस्त में पीएम मोदी ने तियानजिन में भी शी जिनपिंग से बात की थी और आपसी विश्वास व सम्मान पर जोर दिया था।

राजनाथ सिंह ने रूस के रक्षा मंत्री के साथ भी की मुलाकात : इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रूस के रक्षा मंत्री आंद्रेई बेलौसोव से भी मुलाकात की। दोनों के बीच एस-400 एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम की सप्लाई सहित कई रक्षा परियोजनाओं पर बात हुई। भारत ने 2018 में रूस के साथ 5 अरब डॉलर का समझौता किया था। इसमें से तीन मिसाइल सिस्टम भारत को मिल चुके हैं। चौथी यूनिट अगले कुछ दिनों में और पांचवीं नवंबर तक मिलने की उम्मीद है। पिछले महीने ही भारत ने रूस से पांच और एस-400 सिस्टम खरीदने को मंजूरी दी है, जिससे इनकी कुल संख्या 10 हो जाएगी। इसके अलावा, राजनाथ सिंह ने बेलारूस के रक्षा मंत्री लेफ्टिनेंट जनरल विक्टर खेनिन से भी मुलाकात की। उन्होंने रक्षा सहयोग को मजबूत करने और ट्रेनिंग जैसे क्षेत्रों में साझेदारी पर चर्चा की। राजनाथ सिंह ने किर्गिस्तान और कजाकिस्तान के रक्षा मंत्रियों के साथ भी अलग-अलग बैठकें कीं। किर्गिस्तान के रक्षा मंत्री मेजर जनरल मुकाम्बेटोव रुस्लान मुस्तफेविच के साथ बातचीत में द्विपक्षीय रक्षा सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर विचार किया गया। राजनाथ सिंह सोमवार को बिश्केक पहुंचे थे।

'हम न होते तो आप फ्रेंच बोल रहे होते': ट्रंप के बड़बोलेपन पर किंग चार्ल्स का मजेदार तंज, इतिहास की दिला दी याद

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका दौरे पर पहुंचे ब्रिटेन के किंग चार्ल्स-III ने व्हाइट हाउस में एक कार्यक्रम के दौरान ऐसा मजेदार तंज कसा कि माहौल हल्का-फुल्का हो गया, लेकिन संदेश गहरा था। बात इतिहास और भाषा से जुड़ी थी और निशाने पर थे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप। पूरी बात को ऐसे समझिए कि दरअसल, ट्रंप ने उनके साथ बातचीत के दौरान कहा था कि अगर अमेरिका न होता तो यूरोप के कई देश आज जर्मन भाषा बोल रहे होते। ट्रंप का इशारा यूरोप और जर्मनी के उस युद्ध की ओर था, जहां संभवतः जर्मनी का यूरोप के देशों पर कब्जा होता और ये देश खासकर ब्रिटेन भी हिटलर की बोली बोलने लगता। देखा जाए तो ये कोई नई बात नहीं है कि ट्रंप ने अपने घर में बुलाकर किसी दूसरे देश के मेहमान के साथ अपना बड़बोलापन दिखाया हो। लेकिन इस बार उनकी ये चाल शायद उनपर भारी पड़ गई, क्योंकि ट्रंप के अंदाज में ही किंग चार्ल्स ने ऐसा जवाब दिया, जो खूब चर्चा में रहा और लोगों ने इसपर जमकर ठहाके भी लगाए।

आप फ्रेंच बोल रहे होते- किंग चार्ल्स : शुरुआत कुछ ऐसे हुई जब ट्रंप ने ये तंज कसा तो इसी बयान को पकड़ते हुए किंग चार्ल्स ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, मिस्टर प्रेसिडेंट, आपने कहा कि अगर अमेरिका न होता तो यूरोप जर्मन बोल रहा होता। मैं यह कहना चाहूंगा कि अगर हम (ब्रिटेन) न होते, तो आप फ्रेंच बोल रहे होते। किंग चार्ल्स का यह जवाब सुनकर वहां मौजूद लोग हंस पड़े। यह टिप्पणी इतिहास की उस पृष्ठभूमि की ओर इशारा करती है, जब यूरोप में

अलग-अलग ताकतों का प्रभाव था और भाषाओं पर भी उसका असर पड़ता था।

अब समझिए क्या कहता है इतिहासः गौरतलब है कि अमेरिका और यूरोप की ताकत को लेकर दिए गए बयानों के बीच असली इतिहास क्या कहता है, इसे समझना जरूरी है। दरअसल, डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि अगर अमेरिका न होता तो यूरोप के कई देश जर्मन भाषा बोल रहे होते, जिसका इशारा दूसरे विश्व युद्ध की तरफ माना जा रहा है। वहीं ब्रिटेन के किंग किंग चार्ल्स III ने जवाब में इतिहास का दूसरा पहलू सामने रखा। किंग चार्ल्स का इशारा उस दौर की ओर था जब 1776 में अमेरिका ने ब्रिटेन से आजादी की घोषणा की थी, लेकिन यह जीत अकेले संभव नहीं थी। उस समय फ्रांस ने अमेरिका को अहम सैन्य मदद दी थी, जिसके बिना अमेरिका की आजादी मुश्किल मानी जाती है। इतना ही नहीं, अमेरिका बनने से पहले वहां के कई हिस्सों पर फ्रांस का कब्जा था और उसे न्यू फ्रांस कहा जाता था। हालांकि इसके बाद भी ब्रिटेन और अमेरिका के बीच तनाव खत्म नहीं हुआ और 1812 में दोनों के बीच युद्ध हुआ, जिसे वॉर ऑफ 1812 कहा जाता है। इसी युद्ध के दौरान ब्रिटिश सेना ने वॉशिंगटन डीसी पर कब्जा कर लिया और 1814 में व्हाइट हाउस को आग के हवाले कर दिया था।

गृह विभाग की फंडिंग खत्म होने की कगार पर, टीएसए कर्मचारियों के वेतन पर भी खतरा; हवाई सुरक्षा पर असर की आशंका

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में एक बार फिर सरकारी फंडिंग को लेकर बड़ा संकट खड़ा होता नजर आ रहा है। व्हाइट हाउस ने कांग्रेस को चेतावनी दी है कि डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी और उससे जुड़े अहम विभागों के पास कर्मचारियों को भुगतान करने के लिए फंड जल्द ही खत्म हो सकता है। इससे देश की हवाई सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। प्रबंधन और बजट कार्यालय ने सांसदों को एक मेमो भेजकर बताया है कि परिवहन सुरक्षा प्रशासन और अन्य कर्मचारियों की सैलरी के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कार्यकारी आदेश से दिया गया पैसा मई तक खत्म हो जाएगा। इससे एयरपोर्ट संचालन और राष्ट्रीय सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। सरकार का कहना है कि अगर जल्द ही बजट पारित नहीं किया गया तो सुरक्षा कर्मियों के वेतन और संचालन दोनों पर संकट गहरा जाएगा। मेमो में कहा गया है कि प्रतिनिधि सभा को सीनेट द्वारा पिछले हफ्ते पास किए गए बजट प्रस्ताव को जल्द मंजूरी देनी चाहिए, ताकि विभाग को पूरा फंड मिल सके। मेमो के अनुसार होमलैंड सिक्योरिटी विभाग जल्द ही जरूरी फंड से खत्म हो जाएगा, जिससे जरूरी कर्मचारियों और कामकाज पर खतरा पैदा हो सकता है।

बजट पर राजनीतिक गतिरोध जारी : अमेरिकी संसद में बजट को लेकर राजनीतिक खींचतान लगातार जारी है। रिपब्लिकन और डेमोक्रेट्स के बीच सहमति न बनने के कारण कई महत्वपूर्ण विभागों की फंडिंग अटक गई है। इस बीच, हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में भी आंतरिक विवाद के चलते बजट प्रक्रिया धीमी पड़ गई है, जिससे पूरा सिस्टम लगभग ठप जैसा हो गया है।

स्पीकर माइक जॉनसन पर बढ़ा दबाव : ट्रंप प्रशासन का यह दबाव हाउस स्पीकर माइक जॉनसन के लिए मददगार साबित हो सकता है। उनकी रिपब्लिकन

पार्टी के पास बहुत कम बहुमत है और पार्टी के अंदर कई मुद्दों पर मतभेद चल रहे हैं, जिनमें होमलैंड सिक्योरिटी की फंडिंग भी शामिल है। इसी वजह से सदन का कामकाज लगभग ठप पड़ा हुआ है। अब उम्मीद है कि प्रतिनिधि सभा बुधवार को सीनेट द्वारा पास किए गए बजट प्रस्ताव पर वोट करेगी। यह प्रस्ताव एक ऐसी प्रक्रिया शुरू करेगा जिससे विभाग को पूरी फंडिंग मिल सकेगी। प्रशासन ने रिपब्लिकन सांसदों को चेतावनी दी है कि अगर वे इस प्रस्ताव में बदलाव करते हैं तो बिल पास होने में देरी हो सकती है। मेमो में यह भी कहा गया है कि [illegible] के लिए फंडिंग बहाल करना अब पहले से ज्यादा जरूरी हो गया है। इसका कारण हाल की एक घटना है, जब बंदूक और चाकू लेकर एक व्यक्ति व्हाइट हाउस संवाददाता डिनर में घुसने की कोशिश कर रहा था, जहां राष्ट्रपति ट्रंप, उपराष्ट्रपति और कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

होमलैंड सिक्योरिटी शटडाउनः अब तक का सबसे लंबा : होमलैंड सिक्योरिटी दो महीने से अधिक समय से नियमित धन के बिना काम कर रहा है। यह स्थिति तब उत्पन्न हुई जब डेमोक्रेट्स ने ट्रंप की निर्वासन एजेंडे के विरोध में मारे गए अमेरिकियों की मौतों के बाद इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एन्फोर्समेंट और बॉर्डर पेट्रोल को धन देने से इनकार कर दिया। हालांकि आप्रवासन प्रवर्तन कर्मचारियों को बड़े पैमाने पर नए धन के माध्यम से भुगतान किया गया है - कुछ 170 बिलियन अमरीकी डालर - जिसे कांग्रेस ने पिछले साल ट्रंप के कर कटौती विधेयक के हिस्से के रूप में अनुमोदित किया था, अन्य, जिसमें [illegible] भी शामिल है, को अपने वेतन सुनिश्चित करने के लिए ट्रंप के हस्तक्षेप पर निर्भर रहना पड़ा है। लेकिन हर दो सप्ताह में 1.6 बिलियन अमरीकी डालर से अधिक के वेतन के साथ, डीएचएस सचिव मार्कवेन मल्लिन ने हाल ही में कहा है कि ये धन सूख रहे हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com